एजेंसी देना है
एजेंसी लेने के लिए इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मो. 9893798715

RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:- SDL-0019/2023-2025 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार आपका विश्वास

वर्ष -17 अंक-13 अनूपपुर - 27 मार्च से 02 अप्रैल 2025 पृष्ठ-08 मूल्य-02 रुपये

पेज 05 शुचि उपाध्याय ....

सार-संक्षिप्त.....

हेमा मालिनी के खिलाफ शिकायत दर्ज

पुरी। एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन हेमा मालिनी के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने पर शिकायत दर्ज हुई है। हाल ही में एक्ट्रेस पुरी जगन्नाथ मंदिर दर्शन करने पहुंची थीं। मंदिर से वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि एक्ट्रेस का मंदिर में प्रवेश अवैध है। हेमा मालिनी के खिलाफ पुरी के स्थानीय संगठन श्री जगन्नाथ सेना ने शिकायत दर्ज करवाई है। सिंहद्वार पुलिस स्टेशन में हुई शिकायत में आरोप हैं कि हेमा मालिनी ने धार्मिक नियमों का उल्लंघन किया है। संगठन ने आरोप लगाए हैं कि हेमा मालिनी के पति धर्मेंद्र ने उनसे शादी करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया था और उनकी शादी भी मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई है, ऐसे में उनके मंदिर में प्रवेश करने से हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची है।

बिहार में पुलिस दल पर हमला

पटना। बिहार में पुलिसकर्मियों पर हमले की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। यहां किशनगंज के बेलवा में अपराधियों को पकडऩे गई पुलिसकर्मियों को लोगों ने बंधक बना लिया और उनकी जमकर पिटाई की। ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों के कपड़े तक फाड़ डाले। ग्रामीणों के हमले में एसआई सहित 4 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पिछले एक सप्ताह में पुलिसकर्मियों पर हमले की चौथी वारदात है, जिसमें दो पुलिस अधिकारियों की हत्या हो चुकी है।

सीमा हैदर बनी मां

नोएडा। अपने 4 बच्चों के साथ अवैध रूप से भारत आने वाली सीमा हैदर ने आज पांचवें बच्चे को जन्म दिया है। फेसबुक पर भारतीय युवक सचिन मीणा से प्यार होने के बाद वे नेपाल के रास्ते भारत पहुंची थी। बताया जा रहा है कि सीमा ने प्रायवेट अस्पताल में बेटी को जन्म दिया है। बेटी के जन्म के साथ ही परिवार ने नामकरण के लिए ग्रामीणों को भोज पर भी आमंत्रित किया है।

सुलगा ओडिशा, 47 डिग्री तापमान

भुवनेश्वर। भीषण गर्मी की आग में झुलस रहे ओडिशा के कई शहरों में तापमान 47 डिग्री के ऊपर पहुंच गया है। कल अचानक तापमान में वृद्धि हुई। वहीं जहां 5 शहरों का तापमान 47 डिग्री तक आंका गया, वहीं कुछ शहरों में तापमान 42 से 45 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। इस बीच उत्तर भारत के कुछ राज्यों में मौसम विभाग ने बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना भी व्यक्त की गई है। महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका व्यक्त की गई है।

वक्फ संशोधन विधेयक ईद के बाद संसद में पेश होगा

नई दिल्ली वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद मौजूदा बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। ये सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार का कहना है कि ईद के बाद इस बिल को संसद में चर्चा के लिए लाया जाएगा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 21 मार्च को लोकसभा में गिलोटिन लाया जाएगा। जिससे बिना चर्चा के बचे हुए मंत्रालयों की अनुदान मांगों को पारित किया जा सके। इसके बाद वित्त विधेयक पारित कराया जाएगा। इधर, सोमवार को वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इसमें एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए। ओवैसी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। बिल में प्रावधान है कि कल कोई यह कहता है कि यह मस्जिद नहीं है और कलेक्टर जांच बैठा देते हैं तो जांच पूरी होने तक मस्जिद हमारी संपत्ति नहीं होगी।

यूपीएससी में ईडब्ल्यूएस को आयु सीमा में नहीं मिलेगी छूट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने ईडब्ल्यूएस को आयु सीमा में छूट देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि कानून में ईडब्ल्यूएस कोटे में आयु सीमा की छूट का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए हाईकोर्ट आयु सीमा में छूट देने के लिए निर्देश नहीं कर सकती है। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्ल्यूएस को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट दिए।

केबिनेट बैठक के पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मंत्रियों से चर्चा

अनुपूरक बजट का 31 मार्च तक किया जाए समुचित उपयोग : मुख्यमंत्री

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में विभागवार निर्धारित की गई राशि के नियमानुसार और समुचित व्यय के संबंध में सभी मंत्री विभाग स्तर पर विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों के साथ बैठकें आयोजित करें। इन बैठकों में मदवार स्वीकृत राशि के व्यय और बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में रणनीति भी तैयार करें। साथ ही केन्द्रांश की भी सतत मॉनीटरिंग की जाए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रालय में केबिनेट बैठक के पहले मंत्रियों से चर्चा में कहा कि विभिन्न विभागों को केपिटल मद में अनुपूरक बजट

वर्ष 2025-26 के बजट की स्वीकृति के बाद सभी मंत्री करें अधिकारियों के साथ मीटिंग

में स्वीकृतियां दी गई हैं। जल संसाधन, लोक निर्माण, नर्मदा घाटी विकास, ऊर्जा, कृषि, नगरीय विकास और आवास, वन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उच्च शिक्षा, नवकरणीय ऊर्जा, ग्रामीण विकास और खाद्य विभाग द्वारा 31 मार्च तक अनुपूरक बजट में स्वीकृत राशि के नियमानुसार और समुचित रूप से उपयोग की व्यवस्था की जाए। केपिटल मद में 11 हजार 317 करोड़ और रेवेन्यू मद में 7 हजार 889 करोड़ रूपए अनुपूरक में स्वीकृत किए गए हैं।

30 मार्च से 30 जून तक चलेगा जल गंगा सवंर्धन अभियान 2025

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य किया जाएगा। जलाशयों की सफाई, पौधे लगाने, छोटी नदियों, तालाबों और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण के कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों में आमजन की भागीदारी भी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गत वर्ष इस अभियान में लगभग एक हजार करोड़ रूपए की लागत से 38 हजार से अधिक कार्यों का क्रियान्वयन किया गया। इसके अलावा लगभग 300 करोड़ रूपए की लागत से 21 हजार से अधिक जीर्णोद्धार और सुधार कार्य किए गए। गत वर्ष नगरीय क्षेत्रों में भी जल संरचनाओं की कार्य क्षमता में वृद्धि हुई। लगभग 6.40 लाख घन मीटर गाद निकाली गई। जल संचयन में सुधार हुआ। विभिन्न जल संरचनाओं में 30 लाख घन मीटर क्षमतावर्धन में सफलता मिली। पर्यावरण-संरक्षण के लिए जल संरचनाओं के किनारे वृहद पौधरोपण भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बतायाकि इस वर्ष भी अभियान में विभाग मिलकर कार्य करेंगे। मुख्य रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, पर्यावरण, वन, संस्कृति और कृषि जैसे विभागों की सक्रिय सहभागिता रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान की सफलता के लिए मंत्रीगण को विभागीय स्तर और प्रभार के जिलों में सतत समीक्षा करने को कहा।

भारतीय बैंकों ने नहीं बताए कर्जदारों के नाम!

10 साल में 16.35 लाख करोड़ का कर्ज माफ

नई दिल्ली।

भारतीय बैंकों ने बीते दस साल में 16.35 लाख करोड़ रुपये के कर्ज को राइट ऑफ यानी माफ किया है। संसद में पेश किए गए ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2018-19 में सबसे ज्यादा 2.36 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ हुए हैं। जबकि 2014-15 में सबसे कम 58,786 करोड़ रुपये के एनपीए को बट्टे खाते में डाला था।

2023-24 के दौरान बैंकों ने 1.70 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए, जो 2022-23 के 2.16 लाख करोड़ से कम है। आरबीआई का कहना है कि ये राइट ऑफ नियमों के हिसाब से किए गए हैं। अगर कोई कर्ज चार साल तक नहीं चुकाया जाता तो उसे पूरी तरह से प्रोविजन करना पड़ता है। इससे बैंकों की बैलेंस शीट साफ होती है और उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होती है।

डिफॉल्टर को नहीं मिलेगी राहत!

इस राइट ऑफ करने का मतलब ये नहीं है कि कर्ज लेने वालों को माफी मिल गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि ये राइट ऑफ कर्जदारों की जिम्मेदारी खत्म नहीं करता। बैंकों का फोकस अब भी इन पैसों को वसूल करने पर है। बैंक केवल आरबीआई के दिशा-निर्देशों और बैंकों के बोर्ड की ओर से स्वीकृत नीति के हिसाब से एनपीए को

बट्टा खाते में डालते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह बट्टे खाते में डालने से कर्जदारों को देनदारियों में छूट नहीं मिलती है और इसलिए उन्हें इससे कोई फायदा नहीं होता।

कौन हैं सबसे बड़े कर्जदार?

31 दिसंबर 2024 तक, 29 बड़े कॉर्पोरेट कर्जदारों पर 61,027 करोड़ रुपये बकाया हैं। इनमें से हर कर्जदार पर 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज है। हालांकि, इन कर्जदारों के नाम गुप्त रखे गए हैं क्योंकि आरबीआई के नियमों में गोपनीयता का प्रावधान है। फिर भी, बैंकों ने इन पैसों को वसूलने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन डिफॉल्टर्स पर सिविल कोर्ट, डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल और सारफेसी एक्ट के तहत कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के जरिए भी कर्ज वसूली की कोशिश हो रही है।

बैंकों की सेहत में सुधार

इन सबके बीच अच्छी खबर ये है कि भारतीय बैंकों, खासकर सरकारी बैंकों की हालत में सुधार हुआ है। आरबीआई की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों के खराब कर्ज यानी ग्रॉस एनपीए सितंबर 2024 में 13 साल के सबसे निचले स्तर 2.5 प्रतिशत पर आ गए हैं, जो कि मार्च 2024 में 2.7 प्रतिशत थे। नेट एनपीए भी 0.62 प्रतिशत से घटकर 0.57 प्रतिशत हो गए हैं। अगर बात करें सरकारी बैंकों के ग्रॉस एनपीए की तो ये सितंबर 2024 में लुढ़ककर 3.12 प्रतिशत पर पहुंच गए हैं जबकि मार्च 2018 में ये 14.58 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर थे।

बड़े बकाएदार बने मुसीबत

ये सुधार बताता है कि बैंकों के एसेट्स की क्वालिटी बेहतर हुई है। लेकिन बड़े कॉर्पोरेट डिफॉल्टरों से वसूली अभी भी एक बड़ी चुनौती है। वित्त मंत्रालय का कहना है कि बैंकों ने कर्ज वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई और कर्जदारों से सीधी बातचीत तेज कर दी है। फिलहाल, बैंकिंग सेक्टर में सुधार के संकेत तो दिख रहे हैं। लेकिन अगर बड़े कर्जदारों से पैसे नहीं वसूले गए तो ये चिंता का सबब बन सकता है। सरकार और बैंकों को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे जिससे आम लोगों का भरोसा बना रहे।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पड़ेगी बहुत महंगी

- एक मार्च से भारी जुर्माने और कड़े नियम लागू
- अब 500 से लेकर 25000 तक देना पड़ेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

भारत में 1 मार्च से ट्रैफिक नियमों को सख्त कर दिया गया है। अब यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और सामुदायिक सेवा जैसे दंड तय किए गए हैं। सरकार का यह संदेश बिल्कुल साफ है कि ट्रैफिक नियमों की अनदेखी अब महंगी पड़ेगी। मोबाइल फोन के कारण ध्यान भटकने की वजह से सड़क हादसे तेजी से बढ़ रहे हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ने गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन इस्तेमाल करने पर जुर्माना 500 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये कर दिया है। इससे साफ है कि इस लापरवाही को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अगर दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट पकड़ा जाता है, तो अब उसे 1,000 रुपये का जुर्माना देना होगा, जो पहले के 100 रुपये की तुलना में 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा, उसका ड्राइविंग लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है। इसी तरह, कार में बैठने वाले यात्रियों को भी अब सीट बेल्ट नहीं पहनने पर 1,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। अगर कोई व्यक्ति रेड लाइट जंप करता है, तो उसे 5,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। वहीं, ओवरलोडिंग करने पर अब 20,000 रुपये तक का दंड लगाया जाएगा, जो पहले मात्र 2,000 रुपये था।

नशे में ड्राइविंग पर कोई रियायत नहीं

अगर कोई व्यक्ति नशे में गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो पहली बार के उल्लंघन पर 10,000 रुपये का जुर्माना और/या छह महीने की जेल हो सकती है। वहीं, दोबारा यही गलती करने पर 15,000 रुपये का जुर्माना और दो साल की जेल की सजा होगी। पहले के नियमों में यह जुर्माना सिर्फ 1,000 रुपये और 1,500 रुपये था। जिससे साफ है कि अब इस अपराध को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा।

ट्रिपल राइडिंग और रेसिंग पर कड़ी नजर

अगर कोई व्यक्ति दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाकर चलता है, तो उसे 1,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने या सड़क पर रेसिंग करने पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना लगेगा। इसके अलावा, अगर कोई एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवा वाली गाडिय़ों का रास्ता रोकता है, तो उसे 10,000 रुपये का दंड देना होगा।

नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर सख्त सजा

अगर कोई नाबालिग गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके अभिभावकों को 25,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। इसके अलावा, तीन साल की जेल, वाहन का रजिस्ट्रेशन रद्द करना और नाबालिग को 25 साल की उम्र तक ड्राइविंग लाइसेंस न देने जैसी कड़ी सजा भी तय की गई है।

गाड़ी के कागजात नहीं होने पर भारी भरकम दंड

अगर कोई बिना ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाता है, तो उसे अब 5,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा। वहीं, बिना इंश्योरेंस के वाहन चलाने पर 2,000 रुपये और दोबारा पकड़े जाने पर 4,000 रुपये का दंड लगेगा। प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी सर्टिफिकेट) नहीं होने पर भी 10,000 रुपये का भारी जुर्माना, जेल की सजा या सामुदायिक सेवा का प्रावधान रखा गया है। ये नए ट्रैफिक नियम सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए लागू किए गए हैं और सरकार ने साफ कर दिया है कि लापरवाही और नियमों की अनदेखी अब महंगी पड़ेगी।

14 फीसदी युवा को किडनी रोग 6 साल में किडनी के 48 फीसदी मामले बढ़े

नई दिल्ली। देश में 50 साल से कम आयु के लोगों में किडनी और कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। जहां बुजुर्गों में किडनी और कैंसर के रोग बढ़ते थे, लेकिन अब युवा वर्ग तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है।

पुडुचेरी के जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर) के अध्ययन में सामने आया है कि भारत में क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) का प्रचलन अब 13.24 फीसदी है।

नागपुर में हिंसा के बाद 11 इलाकों में कर्फ्यू

50 अरेस्ट, 33 पुलिसकर्मी घायल, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र के पास बेरिकेडिंग

नागपुर।

नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने के बाद सोमवार शाम हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इनमें 3 डीसीपी हैं। 5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक आईसीयू में भर्ती हैं। दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 जेसीबी जलाई गईं। पुलिस ने दंगा के आरोप में 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है। वहीं, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। हर आने जाने वालों की जांच की जा रही है।

सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया।

बीएचपी के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोडफ़ोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सडक़ पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोडफ़ोड़-आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया। डीसीपी निकेतन कदम कुल्हाड़ी के हमले से घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। रात 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच ओल्ड भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में एक और झड़प हुई।

राम मंदिर में रामदरबार का सिंहासन बनकर तैयार

मकराना के सफेद पत्थर से बना गर्भगृह

अयोध्या।

रामनवमी से पहले भव्य राम मंदिर की 8 तस्वीरें ट्रस्ट ने जारी की हैं। इसमें फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना के लिए सफेद संगमरमर का सिंहासन बनकर तैयार हो गया है। ग्राउंड फ्लोर की ही तरह फर्स्ट फ्लोर पर सिंहासन और गर्भगृह बनकर तैयार है। गर्भगृह में भव्य नक्काशी की गई है। सामने मंडपम बनाया गया है। इसके खंभों में भी नक्काशी की गई है, जोकि जयपुर के पिंक सैंड स्टोन से बनाया गया है।

राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा 14 और मंदिर बन रहे हैं। इनमें मूर्तियों की स्थापना के लिए अभी शुभ तिथि 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) और प्राण प्रतिष्ठा 5 जून (गंगा दशहरा) को तय हुई है। हालांकि, ट्रस्ट की मुहर लगना अभी बाकी है।

30 अप्रैल से पहले मूर्तियां जयपुर से आ जाएंगी

सभी मूर्तियां राजस्थान के जयपुर में तैयार हो रही हैं। 30 अप्रैल से पहले सभी मूर्तियां यहां पहुंच जाएंगी। राम मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना की जानी है, जबकि परकोटे में 6 मंदिर बन रहे हैं। इनमें भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापित होगी। इसके अलावा सप्त मंडपम में 7 मंदिर बन रहे हैं। इनमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित होगी।

कहो तो कह दूं - सुरा प्रेमियों को ऐसे विधायक का नागरिक अभिनंदन करना चाहिए

लोग बात कहते हैं कि राजनेताओं को जनता की चिंता नहीं रहती एक बार जब वे चुनाव जीत जाते हैं फिर जनता के हाल क्या है उससे उनका कोई लेना देना नहीं होता, लेकिन कर्नाटक विधानसभा में जनता दल सेक्युलर के एक विधायक एमपी कृष्णा ने अपने प्रदेश के शराब प्रेमियों की भारी चिंता करते हुए विधानसभा में मांग कर दी कि सरकार महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपए दे रही है, मुफ्त में बिजली दे रही है, फ्री फोकट में बस यात्रा करवा रही है जब महिलाओं पर इतनी कृपा है तो फिर शराब प्रेमियों से इतनी नफरत क्यों ? आफ्टर आल वे भी आखिर इंसान है और आपका खजाना भरने में उनका बहुत बड़ा योगदान है, अगर ये ठान लें कि उन्हें दारू नहीं पीना है तो देखते देखते आपके खजाने की वाट लग जाएगी और आप किसी को पंजी भी नहीं दे पाएंगे, इसलिए उन्होंने विधानसभा में खुले आम इस बात की मांग कर दी कि प्रदेश में जितने भी दारू खोर है उनको हर हफ्ते में दो बोतल शराब सरकार की तरफ से मिलना चाहिए। सारी सुविधाएं क्या सिर्फ महिलाओं के लिए है पुरुषों का भी कुछ ना कुछ अधिकार तो है और फिर उनके लिए भी तो कुछ न कुछ करना बहुत ही जरूरी है जिनके दम पर सरकार का सारा बजट निर्भर करता है । उनका कहना है कि जिस दिन दारूखोर दारू पीना बंद कर देंगे सरकारें दाने दाने को मोहताज हो जाएंगी इसलिए ऐसे लोगों के लिए सरकार को कुछ न कुछ सोचना होगा और इसका सबसे सरल उपाय है कि हर पीने वाले को हर हफ्ते दो बोतल सरकार की तरफ से दी जाए। कितनी सहानुभूति है इस विधायक को शराब प्रेमियों से, अब ये शराब प्रेमियों का कर्तव्य है कि ऐसे विधायक को जिंदगी में कभी ना चुनाव हारने दें वो जहां से भी उम्मीदवारी दर्ज करें वहां एक तरफा जीत दिलाने में ये शराब प्रेमी अपनी पूरी की पूरी जान लगा दे । ऐसे महान विधायक का नागरिक अभिनंदन करने पर भी विचार इन शराब प्रेमियों को करना चाहिए क्योंकि कोई तो है जो उनकी सुध ले रहा है वरना सरकारें तो एक तरफ पिलाती हैं और दूसरी तरफ अगर कोई पिए हुए सड़क पर मिल जाता है तो उस पर कार्यवाही उसे कर देती है। भाई जब आप पिला रहे हो और सामने वाला पी रहा है तो पी के कहीं ना कहीं तो जाएगा दुकान में भी पिएगा तो घर तो जाएगा अब रास्ते में आप उसको पकड़ लो ये तो नाइंसाफी है । कर्नाटक के सुरा प्रेमियों को अपनी एक ही सलाह है कि इस विधायक को हर तरफ से बधाई संदेश और आशीर्वाद भेजिए और ईश्वर से प्रार्थना कीजिए कि विधानसभा में यह मुद्दा पास हो जाए और हर हफ्ते दो बोतल फ्री फोकट में मिलने लगें। वैसे इन महान विधायक की बात में दम तो है जब सबको बांट रहे हो तो फिर दारु प्रेमियों को क्यों डांट रहे हो, वे भी आपके ही प्रदेश के नागरिक है उनका भी आप पर उतना ही अधिकार है जितना महिलाओं का है, उन्होंने भी उतने ही वोट दिए हैं जितने महिलाओं ने दिए होंगे तो फिर सिर्फ महिलाओं के लिए ही इतनी दरिया दिली क्यों दिखाई जा रही है उनके प्रति भी तो थोड़ी बहुत सोच रखना चाहिए सरकारों को, शायद यही कारण है के इन विधायक महोदय ने ऐसी मांग कर डाली। अपने को तो लगता है कि ये विधायक जी भी पहले कभी शराब प्रेमी रहे हों हो सकता है अब ना पीते हो क्योंकि शराबियों के प्रति इतनी सहानुभूति वही रख सकता है जो खुद गले में पैग उड़ेलता होगा, वरना समाज तो इनको हेय दृष्टि से देखता है वैसे अगर सरकार हर हफ्ते दो बोतल देने में असमर्थ है तो हर दारुखोर से पूछ ले कि वो महीने में कितनी दारू कंज्यूम करता है उस हिसाब से उनको बांट दो ,एक बात और बतला दें हम कर्नाटक सरकार को, कि जो भी दल ये घोषणा कर देगा वो ताजिंदगी सत्ता के सिंहासन पर बैठा ही रहेगा इसमें कोई शक की गुंजाइश नहीं है।

एक खबर अखबार में आई है कि देश की सबसे चर्चित जांच एजेंसी ईडी जो कहीं भी छापा मार देती है उसने पिछले दस वर्षों में सांसदों विधायकों और नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किए थे जिनकी संख्या ,193 बताई जाती है लेकिन मजे की बात है कि इन 193 केसों में से सिर्फ और सिर्फ दो मामलों में ही दोष सिद्ध हो पाया है । लोग बात कह रहे हैं कि ये कैसी ईडी है 193 केस दर्ज किए हैं और सिर्फ दो में दोष सिद्ध हो पाया ,तो भैया ये भी तो सोचो कि इस एजेंसी ने उनके खिलाफ केस दर्ज किए थे जो सरकार चलाते हैं सांसद थे, विधायक थे, नेता थे इन शक्तिशाली लोगों से कौन सी जांच एजेंसी पंगा ले सकती है, फॉर्मेलिटी करना है तो कर लेती है उसको भी मालूम है कि रहना उनके ही अंडर में है आज ये हैं तो कल दूसरे आ जाएंगे परसों फिर ये आ जाएंगे इसलिए इन सब से दुश्मनी मोल लेना ठीक नहीं है, लेकिन जब एजेंसी बनी है तो कुछ ना कुछ तो करना ही पड़ेगा सो दर्ज कर लेते हैं अखबारों में बड़ी-बड़ी खबरें छप जाती है कि अमुक अमुक के खिलाफ ईडी ने केस दर्ज कर लिया लेकिन आम जनता को भी अच्छे से मालूम है कि किसी का कुछ नहीं बिगड़ने वाला, ईडी भी जानती है कि हम भले ही केस दर्ज कर ले लेकिन उसे अंजाम तक नहीं पहुंचा पाएंगे और जो ज्यादा उठा पटक करने की सोचेगा उसको यहां से वहां उठाकर पटक दिया जाएगा इसलिए एजेंसी को दोष देने से कुछ नहीं होने वाला। सांसद, विधायक, नेता तो कलयुग में भगवान माने जाते हैं पांच साल जनता उनके दरवाजे पर हाथ जोड़कर खड़ी रहती है अब जो इतने पावरफुल हैं उनका ईडी, सीबीआई या इनकम टैक्स कुछ नहीं बिगाड़ सकती कितने ही मामले अखबारों की सुर्खियां बनते हैं लेकिन उनका अंत क्या होता है ये ना एजेंसी को पता लगता है और ना ही आम जनता को। वैसे भी कहा गया है समरथ को नहीं दोष गोसाई यानी जो समर्थ है उसको कोई दोष नहीं लगता और आज की तारीख में सांसद हो, विधायक हो या नेता हो उनसे ज्यादा समर्थ कौन है किसी के पास इसका जवाब नहीं है।

पता चला है कि मध्य प्रदेश में विधायकों को घर और गाड़ी लेने के लिए अभी तक जितना कर्ज मिलता था वो अब दोगुना हो गया है उस पर सरकार उन्हें अनुदान भी देगी यानी जो ब्याज लग रहा है उसका बहुत सा हिस्सा सरकार अपनी जेब से देगी। आजकल कर्ज लेने का एक फैशन सा चल गया है हर आदमी लोन ले लेकर सामान खरीद रहा है और हर महीने ईएमआई चुका रहा है हर घर में टीवी, फ्रिज, मोबाइल वाशिंग मशीन,कार स्कूटर आपको मिल जाएगी और ये तमाम चीज लोन से ही खरीदी जाती हैं कोई नगद पैसा नहीं देता सरकार खुद कर्ज पर कर्ज लिए पड़ी है अब जब सरकार खुद कर्ज ले रही है तो फिर उसे विधायकों को कर्ज देने में क्या दिक्कत है? आजकल गाड़ियों की और मकान की कीमत भी तो बढ़ गई है पहले जो गाड़ी चार पांच लाख में आ जाती थी वो पंद्रह और बीस लाख में आ रही है मकान पचास साठ लाख से कम में मिलने तैयार नहीं है, अब ऐसे विकट समय में उनके लिए कर्ज का दायरा नहीं बढ़ाया जाएगा तो फिर कब बढ़ाया जाएगा।

विश्व की मदद करने वाला भारत है अब

''कश्मीर में आतंकवाद फैलाने वाला सैयद नूर शालोबर भारत की वांछित आतंकियों की सूची में सम्मिलित था। कराची में मारा गया खालिद रजा कराची में 28 फरवरी 2023 को जम्मू कश्मीर में अल-बद्र नाम के आतंकी संगठन का पूर्व कमांडर खालिद रजा मौत के घाट उतार दिया गया था। अज्ञात हथियारबंद ने खालिद रजा को उसके घर ही बाहर गोली मार दी थी। हिज्बुल मुजाहिद्दीन के प्रमुख सलाउद्दीन का खास खालिद रजा कश्मीर में आतंकी कमांडर रह चुका था,इसके बाद वह कराची चला गया,जहां वह आतंकियों की भर्तियों करता था। रावलपिंडी में मारा गया बशीर अहमद पीर पाकिस्तान के रावलपिंडी में 20 फरवरी 2023 को हिजबुल मुजाहिद्दीन के शीर्ष कमांडर बशीर अहमद पीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर ने बशीर अहमद पीर को एक दुकान के बाहर गोली मार दी थी। 4 अक्तूबर 2024 को आतंकी गतिविधियों में सम्मिलित होने के चलते भारत ने उसे आतंकी घोषित किया था,वह जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में सम्मिलित था,वह हिजबुल,लश्कर जैसे खूंखार आतंकी संगठनों को ताकत के लिये पूर्व आतंकियों को एकजुट करने का काम करता था।''

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के दायित्व की शपथ ग्रहण कर रहे थे, जिसको लेकर देश में हर्ष का वातावरण था, साथ ही विश्व भर का शीर्ष नेतृत्व भारत की ओर देख रहा था, इस हर्ष और उल्लास के वातावरण में जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी जा रहे तीर्थ यात्रियों की बस पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें नौ तीर्थ यात्री मारे गये थे एवं 41 तीर्थ यात्री घायल हुये थे, इस आतंकी घटना के पीछे पाकिस्तान में हाफिज सईद के करीबी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल की भूमिका थी। आतंकी जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल को पिछले शनिवार को मौत के घाट उतार दिया गया, इसके अगले ही दिन क्वेटा में आतंकी अब्दुल बाकी नूरजई को मारने की खबर आ गई, इससे पहले भी पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों द्वारा आतंकियों को जहन्नुम भेजा जाता रहा है, जिससे आतंकियों और आईएसआई में दहशत का माहौल बन गया है। डरी-सहमी आईएसआई आतंकियों को सुरक्षा मुहैया करा रही है, वहीं भारत अपने सुरक्षा तंत्र को वैश्विक स्तर का बना रहा है, इस सब पर ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

झेलम में मारा गया जिया-उर-रहमान

पाकिस्तान में हाफिज सईद के करीबी और कश्मीर में कई हमलों में संलिप्त रहे लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल की पिछले शनिवार की रात में 15 मार्च 2025 को हत्या कर दी गई। झेलम जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का शीर्ष कमांडर जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जम्मू और कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों के लिये वांछित था। जिया-उर-रहमान का जन्म 4 फरवरी 1982 को पाकिस्तान के सिंध प्रांत के सांगहर जिले में हुआ था। 2000 के दशक के आस-पास उसने लश्कर-ए-तैयबा के लिये जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की थी, वह 26/11 मुंबई हमले के मास्टर माइंड और लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद का सर्वाधिक विश्वसनीय साथी बताया जाता था। जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल ने लश्कर-ए-तैयबा में अहम भूमिका निभाई थी, उसने कई आतंकी हमलों का षड्यंत्र रचा था, वह पुंछ और रजौरी क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों का मुख्य षड्यंत्रकर्ता था, वह भारत में कई बड़े आतंकी हमलों की योजना बनाने के लिये जिम्मेदार था, जिनमें 2023 में रजौरी जिले के गांव ढंगरी में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमला भी सम्मिलित था, इस हमले में पांच लोग मारे गये थे। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में 2024 में बस पर हमला हुआ था, जिसमें वैष्णो देवी से लौट रहे नौ तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई थी, जबकि 41 लोग घायल हुये थे। 2023 में भट्टा-दुरियां और कंडी हमले में भारतीय सेना के जवान का बलिदान हुआ था, जिसमें जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल की ही भूमिका मानी जाती है। जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल पाकिस्तान के कोटली जिले में लश्कर के एक छोटे आतंकवादी समूह खुइरट्टा डिट्स का प्रभारी था, वह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लश्कर के आतंकवादियों और उसके ऑपरेटरों के बीच की मुख्य कड़ी बन गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल को कई आतंकवादी घटनाओं में सम्मिलित पाया था और उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के अंतर्गत आरोपित किया था। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की जांच में उसकी भूमिका सामने आई थी, इसीलिये वह भारत में वांछित आतंकवादियों की सूची में सम्मिलित था।

हाफिज की मौत की अफवाह उड़ी

रविवार को सोशल साइट्स पर लश्कर के सरगना हाफिज सईद के भी जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल के साथ अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में घायल होने की खबरें आई थीं लेकिन, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। कई यूजर्स ने उसके घायल होने का दावा किया था। कुछेक यूजर्स ने उसकी भी मौत हो जाने का दावा किया लेकिन, इन दावों की पुष्टि नहीं हो सकी। हालाँकि यह भी हो सकता है कि हाफिज सईद की मौत की खबर खुफिया एजेंसी आईएसआई ने ही फैलवाई हो।

नरेंद्र मोदी की शपथ ग्रहण वाले दिन किया था हमला

नरेंद्र मोदी 9 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर रहे थे, इस दिन रियासी में तीर्थ यात्रियों की बस पर हमला हुआ था, इस हमले में जिया-उर-रहमान उर्फ अबू कताल की अहम भूमिका मानी जाती है। आरोप पत्र में एनआईए ने दावा किया था कि हमले का मकसद पूरी तरह से देशभर से शिवखोड़ी व वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं में खौफ पैदा करना था। आतंकी स्थानीय लोगों में भी भय पैदा करना चाहते थे।

क्वेटा में मारा गया अब्दुल बाकी नूरजई

पाकिस्तान के आतंकी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता मुफ्ती अब्दुल बाकी नूरजई की रविवार को क्वेटा में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नूरजई को क्वेटा हवाई अड्डे के निकट गोलियां मारी गईं। हमले में नूरजई गंभीर रूप से घायल हुआ था, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नूरजई के हमलावरों की पहचान नहीं हुई है और हमलावरों की खोजबीन की जा रही है।

मरा हुआ मिला शेख जमील-उर-रहमान

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्थित ऐबटाबाद में मार्च 2024 में यूनाइटेड जिहाद काउंसिल का सचिव और आतंकी कमांडर शेख जमील-उर-रहमान को रहस्यमयी परिस्थितियों में मरा हुआ पाया गया था। भारत के गृह मंत्रालय ने उसे अक्तूबर 2022 में आतंकी घोषित किया था तब से उसकी खोजबीन की जा रही थी।

कराची में भून दिया गया हंजला अदनान

पाकिस्तान के कराची में 6 दिसंबर 2023 को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी हंजला अदनान की हथियारों से लैस लोगों ने हत्या कर दी थी, उसे गोलियों से भून दिया गया था। हंजला अदनान ने 2016 में जम्मू-कश्मीर में सीआरपीएफ के काफिले पर हमले का षड्यंत्र रचा था। हंजला अदनान को 26/11 के मास्टर माइंड हाफिज सईद का करीबी माना जाता था।

मोहम्मद मुजम्मिल के साथ मारा गया नईम

पाकिस्तान के सियालकोट में अज्ञात हमलावरों ने लश्कर के आतंकी मोहम्मद मुजम्मिल को 14 नवंबर 2023 को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। लश्कर आतंकी मोहम्मद मुजम्मिल अपने साथी नईम-उर-रहमान के साथ कार में सियालकोट के पसरूर तहसील क्षेत्र में था, उसी दौरान खोखरण चौक के निकट बाइक सवार हमलावरों ने कार को रोककर गोलियों से मुजम्मिल और उसके साथी को मौत के घाट उतार दिया था।

कराची में मारा गया मौलाना तारिक

पाकिस्तान के कराची में भारत विरोधी भीड़ जमा हुई थी, जिसे 12 नवंबर 2023 को जैश कमांडर मौलाना तारिक रहीम उल्लाह तारिक संबोधित करने जा रहां था, इस दौरान उसको गोली मार दी गई थी। तारिक भारत के मोस्ट वांटेड मौलाना मसूद अजहर का करीबी था।

बाजौर में मार गिराया गया अकरम खान

पाकिस्तान के बाजौर में 9 नवंबर 2023 को भारत में वांछित आतंकी अकरम खान उर्फ अकरम गाजी की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। आतंकी अकरम गाजी ने 2018 से 2020 तक लश्कर भर्ती सेल का नेतृत्व किया था, वह पाकिस्तान में भारत विरोधी भाषणों के लिये जाना जाता था, वह लंबे समय से आतंकी गतिविधियों में संलिप्त था।

ख्वाजा शाहिद की मिली थी सिर कटी लाश

पीओके में 5 नवंबर 2023 को आतंकी ख्वाजा शाहिद अपने ही घर में सिर कटी लाश मिली थी, वह घर में मृत पाया गया। 2018 में जम्मू में सेना के कैंप पर हमले के मास्टर माइंड ख्वाजा शाहिद की सिर कटी लाश मिलने से आतंकियों में दहशत फ़ैल गई थी, इससे पहले ख्वाजा शाहिद को अगवा किया गया था।

कराची में मारा गया दाउद का गुर्गा सलीम

कराची की दिल्ली कॉलोनी में 23 अक्तूबर 2023 को दाऊद इब्राहिम का करीबी गुर्गा मोहम्मद सलीम मारा गया था। सलीम की अज्ञात लोगों ने हत्या करके शव दरगाह अली शाह सखी सरमस्त के निकट ल्यारी नदी में फेंक दिया था, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद किया था।

उत्तरी वजीरिस्तान में मारा गया दाऊद मलिक

उत्तरी वजीरिस्तान में मसूद अजहर का करीबी आतंकी दाऊद मलिक 20 अक्तूबर 2024 को मौत के घाट उतार दिया गया था। जैश-ए-मोहम्मद के अलावा दाऊद मलिक, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी के लिये भी आतंक फैलाता था।

बलूचिस्तान में मारा गया मुल्ला बाहौर

बलूचिस्तान के केच क्षेत्र में आईएसआई एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज को गोली मारकर मौत के घाट उतारा गया था, इसकी हत्या की खबर भी 11 अक्तूबर 2024 को बाहर आई थी। मुल्ला बाहौर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा कर आईएसआई के हवाले किया था। भारतीय नौसेना से रिटायर कुलभूषण जाधव पाकिस्तान की जेल में बंद हैं।

मस्जिद में मारा गया शाहिद लतीफ

पाकिस्तान के सियालकोट में पठानकोट हमले का मास्टर माइंड और भारत का मोस्टवांटेड आतंकी शाहिद लतीफ 11 अक्तूबर 2023 को मौत के घाट उतार दिया गया था, उसे अज्ञात हमलावरों ने एक मस्जिद में गोली मार दी। शाहिद लतीफ को 1994 में भारत में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद वह भारतीय जेल में लगभग 16 साल तक बंद रहा। भारत में सजा पूरी होने के बाद 2010 में उसे पाकिस्तान भेज दिया गया था।

पीओके की मस्जिद में मारा गया अबु कासिम

पीओके की एक मस्जिद में भारत में वांछित आतंकवादी अबु कासिम को 8 सितंबर 2023 को अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार दी थी। हाफिज सईद का करीबी अबु कासिम 1 जनवरी 2023 को राजौरी जिले के गांव ढांगरी आतंकी हमले के मुख्य षड्यंत्रकर्ताओं में से एक था। गांव ढांगरी में आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में सात लोगों की मौत हो गई थी और 13 लोग घायल हो गये थे।

कराची में मारा गया सरदार हुसैन अरेन

कराची में 1 अगस्त 2023 को हाफिज सईद का साथी आतंकवादी सरदार हुसैन अरेन की हत्या कर दी गई थी, इसकी जिम्मेदारी सिंध में मौजूद सिंधुदेश रेवोलुसनरी आर्मी ने ली थी। जमात-उद-दावा के आतंकी सरदार हुसैन अरेन को, उसकी दुकान के निकट गोली मार दी गई थी, जिसके बाद उसने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया था, यह पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के मदरसा नेटवर्क को संभालता था।

पख्तूनख्वा क्षेत्र में मारा गया सैयद नूर शालोबर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में अज्ञात बंदूकधारियों ने सैयद नूर शालोबर को 4 मार्च 2023 को गोली मार दी थी, वह पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर कश्मीर में आतंक फैलाने का काम करता था और नये आतंकियों की फौज को प्रशिक्षण देता था।

आग न लगती तो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का धुंवा न उठता!

दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना ने भ्रष्टाचार की आग को हवा दे दी है। आग बुझाने के दौरान फायर ब्रिगेड को जज के घर से लगभग 15 करोड़ नकदी मिलने की खबर ने देश भर में हंगामा मचा दिया है। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके मूल कोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने का फैसला लिया, और अब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उनके खिलाफ जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित कर दी है। सन 2009 में भी पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस निर्मल यादव पर 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगा था, इस मामले में एक वकील ने दावा किया था कि उसने गलती से रिश्वत की राशि गलत जज के घर भेज दी थी, जिसके बाद यह मामला चर्चाओं में रहा ।मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पी.डी. दिनाकरण पर तमिलनाडु में अवैध जमीन अर्जित करने और आय से अधिक संपत्ति के एकत्र करने के आरोप लगे थे,उनके खिलाफ 16 शिकायतें दर्ज की गईं थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनकी सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति रोक दी थी,जांच के दबाव में उक्त जज ने सन 2011 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।इसी प्रकार सन 2017 में कलकत्ता हाई कोर्ट के जज जस्टिस सी.एस. कर्णन ने सुप्रीम कोर्ट के कई जजों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे,उनके खिलाफ अवमानना का मामला भी चला, और उन्हें छह महीने की जेल भी हुई।सन 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों ने पत्रकार वार्ता कर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर मनमाने ढंग से केस बांटने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप

लगाया था, भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ था कि जज अपनी ही न्यायपालिका पर पत्रकार वार्ता कर सवाल खड़े कर रहे थे।वही सन 2021 में मुंबई हाई कोर्ट में जज रहे एक न्यायमूर्ति पर रिश्वत लेकर फैसले देने के आरोप लगे थे, बाद में यह मामला जांच के अभाव में ठंडे बस्ते में चला गया। न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा दे रहा है।भृष्ट जजो को हटाने का महाभियोग ही एकमात्र संवैधानिक उपाय है, लेकिन अब तक इसका भी सफल इस्तेमाल नहीं हो पाया है।हालांकि

न्यायाधीश यशवंत वर्मा का कहना है कि जिस कमरे में नोटों की गड्डियां मिलीं, वह उनके मुख्य आवास से अलग है और कई लोग इसका इस्तेमाल करते हैं।दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को भेजे अपने एक लंबे स्पष्टीकरण में न्यायमूर्ति वर्मा ने कहा कि 14 मार्च की देर रात होली के दिन दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास के स्टाफ क्वार्टर के पास स्थित स्टोर रूम में आग लग गई थी। इस कमरे का इस्तेमाल आम तौर पर सभी लोग पुराने फर्नीचर, बोतलें, क्रॉकरी, गद्दे, इस्तेमाल किए गए कालीन, पुराने स्पीकर, बागवानी के उपकरण और सीपीडब्ल्यूडी की सामग्री जैसे सामान रखने के लिए करते थे,यह कमरा खुला है और सामने के गेट के साथ-साथ स्टाफ क्वार्टर के पिछले दरवाजे से भी इसमें प्रवेश किया जा सकता है।यह मुख्य आवास से अलग है और निश्चित रूप से मेरे घर का कमरा नहीं है, जैसा कि बताया जा रहा है।वही वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने जज के यहां भारी मात्रा में नकदी मिलने को लेकर चिंता जताई है। सिब्बल ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मुद्दे को गंभीर बताया है।भ्रष्टाचार कम होने के दावों पर सवाल उठाते हुए सिब्बल ने कहा,भ्रष्टाचार एक गंभीर मुद्दा है और पीएम मोदी के भ्रष्टाचार कम होने के दानों के बावजूद यह बढ़ा है। जब लोकपाल को लेकर प्रदर्शन हुआ था, तब सभी राजनीतिक दल कांग्रेस पर आरोप लगाते थे। इसके बाद लोकपाल बिल आ गया, लेकिन क्या हुआ। सरकार गिरा दी गई और इसके बाद कुछ नहीं किया गया। न केजरीवाल ने कुछ किया और न ही प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ किया। बस एक लोकपाल को बैठा दिया गया।राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने दावा किया कि लोगों का न्यायिक प्रणाली में विश्वास कम हो रहा है। सिब्बल ने कहा कि विकल्प तभी मिल सकते हैं, जब सरकार और न्यायपालिका दोनों स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां कारगर नहीं रह गई हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के घर आग लगने के बाद भारी मात्रा में कैश मिलने पर मचे विवाद के बीच इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि मामले की जांच इन-हाउस कमेटी से नहीं बल्कि सीबीआई या ईडी से होनी चाहिए। उन्होंने जस्टिस वर्मा के लिए जेल की सजा की मांग की।दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय ने अपनी रिपोर्ट में पुलिस कमिश्नर द्वारा भेजी गई कुछ रिपोर्टों को भी शामिल किया है जिसमें ये कहा गया है कि स्टोर रूम में 4-5 अधजली बोरियों में कैश मिला है।जस्टिस डीके उपाध्याय ने लिखा है कि उनकी जाँच के मुताबिक़ स्टोर रूम में केवल घर में रहने वाले लोगों, नौकरों और मालियों का आना जाना था, इसलिए इस मामले में और जांच की ज़रूरत है।

पुलिस कमिश्नर ने जस्टिस डीके उपाध्याय के साथ कुछ फ़ोटो और एक वीडियो भी शेयर किए हैं,जिनमें एक कमरे में नोट जलते दिख रहे हैं।जस्टिस डीके उपाध्याय का कहना है कि उन्होंने ये फ़ोटो और वीडियो सुप्रीम कोर्ट के चीफ़ जस्टिस संजीव खन्ना को भी भेजीं है और इन्हें जस्टिस यशवंत वर्मा को भी दिखाया है।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के टिप्पणीकार व वरिष्ठ अधिवक्ता है)

मध्य प्रदेश शासन के परिवहन मंत्री से महेश सिनकर चर्चा करते हुए

भोपाल

अधिमान पत्रकार नेतृत्व समिति के प्रदेश प्रवक्ता महेश सिनकर भोपाल में मध्य प्रदेश शासन के परिवहन मंत्री मा, उदय प्रताप सिंह जी से उनके निज निवास पर परिवहन से संबंधित पत्र देकर मुलाकात एवं चर्चा करते हुए

इंटेक को 15 साल बाद मिले नए अध्यक्ष अशोक सिंह ठाकुर इंटेक के निर्वाचित अध्यक्ष

धार।

भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) की 40 वी वार्षिक बैठक 22 मार्च 2025 को नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में आयोजित की गई। गवर्निंग काउंसिल सदस्य व इंटेक धार चैप्टर संयोजक डॉ दीपेंद्र शर्मा ने इसमें सहभागिता की। देशभर के सदस्यों के मतदान से अध्यक्ष और गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों के लिए चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हुए। निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद परिणाम घोषित किए गए और चंद्रपुर महाराष्ट्र के श्री अशोक सिंह ठाकुर को 3 वर्ष की अवधि के लिए इंटेक का अध्यक्ष चुना गया है।

भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) भारत का प्रमुख विरासत संरक्षण संगठन है, जिसकी औपचारिक स्थापना 27 जनवरी 1984 को हुई थी। अमूर्त विरासत को पुनर्जीवित करना और हमारी विशाल विरासत के बारे में जागरूकता और अच्छे कार्यों को बढ़ावा देना है। यह सांस्कृतिक, प्राकृतिक संसाधनों और विरासत के साथ-साथ सांस्कृतिक और अभिनव गतिविधियों के संरक्षण के लिए वित्तीय और तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए एक सांस्कृतिक बैंक के रूप में भी कार्य करता है। इंटेक चार्टर को 2004 में अपनाया गया था जो भारत में विरासत संरक्षण का मार्गदर्शन करने वाले एक आधारभूत दस्तावेज़ के रूप में कार्य करता है। विरासत की विकसित होती प्रकृति को पहचानते हुए इंटेक वर्तमान में चार्टर को संशोधित करने पर काम कर रहे हैं ताकि इसे ज्यादा प्रासंगिक बनाया जा सके। यह सुनिश्चित करते हुए कि यह मूर्त और अमूर्त से लेकर प्राकृतिक और सांस्कृतिक आयामों तक विरासत के सभी पहलुओं को शामिल करता है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने भारत भर में कार्यरत इंटेक चेप्टरों को और क्रियाशील व मजबूत बनाने के प्रति वचनबद्धता जाहिर की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री अशोक सिंह ठाकुर ने पहला दौरा मध्यप्रदेश का किया है। यह जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

मुख्यमंत्री यादव ने इंदौर में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 का किया शुभारंभ

इंदौर

इंदौर में निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की, देश भर के केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बल, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 600 से अधिक पुरुष एवं महिला पुलिस कार्मिक ले रहे हैं भाग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में तेज़ी से उभर कर सामने आ रहा है। भविष्य में हमारा प्रदेश खेलों की राजधानी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और बीएसएफ के समन्वय से निशानेबाजों की खोज की जाएगी। उन्हें रेवती रेंज में प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यकम के आयोजन के लिए बीएसएफ के टीम को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इंदौर के रेवती रेंज में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रतियोगिता केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्युटी) सीसुबल, इंदौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जो 24 से 29 मार्च 2025 चलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया।

उद्घाटन समारोह में बीएसएफ और पुलिस ब्रास बैंड द्वारा बजाए गए लयबद्ध मार्चिंग धुनों पर केंद्रीय पुलिस संगठनों और विभिन्न राज्य पुलिस टीमों द्वारा स्मार्ट और साफ-सुथरे मार्च पास्ट, बीएसएफ बोल्ड्स टीम द्वारा वेपन से ड्रिल/करतब का प्रदर्शन और एनटीसीडी (राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र), टेकनपुर के श्वानों द्वारा सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करते हुए विशेष रूप से भारतीय नस्लों के कुत्तों की शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परेड की सलामी ली और गुब्बारे और खुले आसमान में कबूतर भी छोड़े। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सिविल प्रशासन, पुलिस, शीर्ष औद्योगिक संगठन के प्रमुख, बल के जवानों, परिवारों और प्रतिष्ठित नागरिकों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। देश भर के केंद्रीय पुलिस संगठन और राज्य पुलिस अपने शानदार रिकॉर्ड के कारण अपनी स्थापना के बाद से ही देश के खेल जगत में सुर्खियों और प्रधानता में रहे हैं। सीएपीएफ और पुलिस बलों के कई दिग्गज खेल कर्मियों ने विभिन्न खेलों में हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया है और हमें गौरवान्वित किया है। बल में प्रचलित खेल संस्कृति न केवल खिलाड़ियों में बल्कि प्रत्येक बल कार्मिक में सकारात्मक भावना को बढ़ाती और प्रेरित करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां पुराने और आधुनिक हथियारों की तस्वीरों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इसमें बीएसएफ प्रशिक्षण गतिविधियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमें

18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 में असम पुलिस, हरियाणा पुलिस, केरला पुलिस, राजस्थान पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस, तमिलनाडु पुलिस, पंजाब पुलिस, तेलांगना पुलिस, आरपीएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, असरराइफल्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, दिल्ली पुलिस, जम्मू कश्मीर पुलिस, हिमाचल पुलिस, उत्तराखंड पुलिस, उत्तरप्रदेश पुलिस, गुजरात पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, मनीपुर पुलिस, कर्नाटक पुलिस, पश्चिम बंगाल पुलिस, मेघालय पुलिस, मध्यप्रदेश पुलिस के कार्मिक भाग ले रहे हैं।

इस प्रतियोगिता में 17 स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं

रेवती रेंज में आयोजित इस वार्षिक चैम्पियनशिप खेल प्रतियोगिता में देश भर के केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बल, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के कार्मिक भाग ले रहे हैं। यह पिछले 5 वर्षों में आयोजित नहीं किया जा सका था एवं आखिरी बार 2019 में पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था। यह 24 से 29 मार्च 2025 तक इंदौर के रेवती रेंज में आयोजित किया जा रहा है। छह दिनों की इस प्रतियोगिता के दौरान देश भर के पुलिस संगठनों और राज्य पुलिस की टीमें, जिसमें देश भर के 600 पुरुष एवं महिला निशानेबाज और अधिकारी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न पुलिस संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले निशानेबाज/टीमें उच्च खेल भावना के साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से अपने शूटिंग कौशल का प्रदर्शन करेंगी। अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड की देखरेख में रेवती रेंज में स्पोर्ट्स वेपन्स की इस प्रतियोगिता में 17 स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के विभिन्न अधिकारी की निगरानी में कुल 204 पदकों के लिए खिलाड़ियों के बीच मुकाबला होगा, जिसमें 68 स्वर्ण, 68 रजत एवं 68 कांस्य शामिल हैं।

बीमा करवाने के बाद महिला कर्मचारी का आठ साल शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

इन्दौर

बीमा कंपनी में कार्य करने के दौरान एक महिला से बीमा करवाने के बाद दोस्ती कर संबंध बना लगातार आठ साल तक उसका शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने महिला की शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मामला हीरानगर थाना क्षेत्र का है। पीड़िता वर्तमान में एक अन्य निजी कंपनी में कार्यरत हैं। हीरानगर थाना पुलिस के अनुसार, छियालिस वर्षीय महिला की शिकायत पर सुंदर नगर एक्सटेंशन निवासी हेमंत सिंह बगावत के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह फिलहाल एक रिसर्च कंपनी में कार्यरत है और 2016 से 2022 तक रिलायंस इंश्योरेंस में काम कर चुकी है। इसी दौरान हेमंत ने उससे बीमा करवाया था और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। पीड़िता महिला ने पुलिस को दर्ज अपनी शिकायत में बताया कि 26 जून 2017 की रात हेमंत उसके घर पहुंचा था और अर्जेंट बात का हवाला देकर रुकने की जिद कर उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की जब उसने मना किया, तो भी उसने संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। इसके बाद करीब डेढ़ साल तक दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने रहे। बाद में जब उसने हेमंत से बात बंद कर दी, तो उसने उसे धमकाते हुए नौकरी छोड़ने और परिवार के साथ कहीं भी जाने से रोकने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसने सार्वजनिक रूप से बदनाम करने की धमकी देकर जबरन संबंध बनाए रखे। जनवरी 2025 तक वह उसका शोषण करता रहा। पीड़िता की शिकायत पर हीरानगर पुलिस ने आरोपी हेमंत सिंह बगावत के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

गणगौर माता का बाना निकाल किया पूजन

बड़वानी। गणगौर महोत्सव के अंतर्गत स्कीम नं 140 स्थित आनंदवन 2 में खंडेलवाल पूर्वी क्षेत्र की महिलाओं एवं युवतियों ने गणगौर माता का बाना धूमधाम से निकाला। जिसमें सोलह श्रृंगार कर शामिल हुईं सभी सखियों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ गणगौर माता को भ्रमण करा ईसर-गौर के प्रतीक दूल्हा-दुल्हन बनाए और परंपरागत दोहे बोल गणगौर माता को पानी पिला पूजन किया। बाना और पूजन का संयोजन बरखा गुप्ता, वंदना साकुनिया, शीला गुप्ता, वर्षा खंडेलवाल और निशा खंडेलवाल द्वारा किया गया।

निराश्रित आश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाया फाग उत्सव

बड़वानी। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में पितृ पर्वत स्थित निराश्रित सेवा आश्रम के बुजुर्गों के साथ विश्वव्यापी ब्राह्मण एकता महामंच द्वारा फाग उत्सव मनाया जिसमें आश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों ने एक अद्भुत उल्लास के साथ होली खेल एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाया। संयोजिका निहारिका शर्मा, सरोज वैष्णव और अर्चना शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य निराश्रित बुजुर्गों के बीच होली की खुशियां बांटना था। इस दौरान भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसका सभी ने आनंद उठाया।

इंदौर लेखिका संघ की लेखिकाओं ने सुनाई कविताएं

इन्दौर। स्थानीय राजबाड़ा और कृष्णपुरा छतरियों पर आयोजित अनूठे आयोजन में इंदौर लेखिका संघ की लेखिका सदस्याओं ने अनोखे अंदाज में कविता पाठ कर विश्व कविता दिवस मनाया। शुरुआत कीर्ति मेहता की कविता लेखक का अभिमान है कविता.. से हुई तो गायत्री शर्मा ने धन्य हो गई मालवा की धरती जब पुण्यश्लोका मां अहिल्या ने पग यहां धारा था.. की प्रस्तुति दी वहीं हिमांशु जैन ने इंदौर पर केंद्रित कविता सुनाई। कार्यक्रम में अध्यक्षा विनीता तिवारी, महासचिव संध्या रायचौधरी, सचिव मणिमाला शर्मा सहित कई लेखिका संघ की कई सदस्य सखियां मौजूद रहीं।

इंटर्नशिप योजना में आवेदन की आखिरी तारीख 31 मार्च

बड़वानी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को विभिन्न कंपनियों में इंटर्नशिप करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम के युवाओं को बारह महीने तक विभिन्न कारोबारी माहौल में कार्य करने और सीखने का अनुभव मिलेगा। योजना के लिए आवेदन करने वाले युवाओं की उम्र 21 से 24 वर्ष होना चाहिए। इंटर्नशिप के दौरान प्रतिमाह पांच हजार रुपये स्टाइपंड और छह हजार रुपये का एकमुश्त अनुदान प्रदान किया जाएगा। योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च हैं।

विहिप का त्रिशूल दीक्षा समारोह सम्पन्न

इन्दौर। विहिप के संगठन मंत्री अभिषेक उदैनिया के मार्गदर्शन में विश्व हिंदू परिषद के बाहुबली प्रखंड का त्रिशूल दीक्षा एवं मोहल्ला संयोजक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। द्वारिका जिला प्रचार प्रमुख राहुल तिवारी ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य वक्ता विभाग के संगठन मंत्री अभिषेक उदैनिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुए इस सम्मेलन में प्रचार प्रसार प्रमुख शिवशंकर चौकसे, जिला मंत्री सागर, धर्म प्रसार विभाग से दिलीप सोनी, कार्यकारणी सदस्य सौरभ ठाकुर,वासु प्रजापत, सचिन प्रजापत, देवा ठाकुर सहित अनेक विश्व हिंदू परिषद के अनेक सदस्य मौजूद रहे।

एमवाय अस्पताल के पब्लिक टायलेट में मिला नवजात का शव, फैली सनसनी

इन्दौर

प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल इन्दौर के एमवाय अस्पताल में सोमवार तड़के उस समय सनसनी फैल गई जब वहां की इमरजेंसी युनिट के पास पब्लिक टायलेट में एक नवजात शिशु का शव लावारिस हालत में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि कोई अज्ञात महिला उस नवजात शिशु के शव को वहां छोड़कर भाग गई थी। प्राप्त जानकारी अनुसार सुबह करीब 6 बजे अस्पताल के सिक्योरिटी स्टाफ ने ग्राउंड फ्लोर स्थित इमरजेंसी यूनिट के पास के पब्लिक टॉयलेट में एक नवजात शिशु का शव देखा, जबकि कुछ देर पहले तक वहां ऐसा कुछ नहीं था। पूछताछ में सिक्योरिटी स्टाफ को कुछ लोगों ने एक महिला को टॉयलेट में जाते हुए देखे जाने की बात बताई। बताया जा रहा है कि अस्पताल में वह अज्ञात महिला जिस ओर से आई थी, वहां कैमरे नहीं हैं। इसलिए अन्य साइटों के कैमरों के फुटेज देखकर उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल स्टाफ और पुलिस के अनुसार महिला नवजात के शव को कहीं बाहर से ही लेकर आई और उसे एम वाय अस्पताल में छोड़कर भागी हैं क्योंकि एमटीएच हास्पिटल की नई बड़ी बिल्डिंग बनने के बाद वहां ही डिलीवरी कराई जाती है। एमवाय अस्पताल में अब डिलीवरी नहीं होती है । फिलहाल नवजात के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा पुलिस महिला की पहचान और तलाश कर रही है।

जैन समाज के वैवाहिक विवादों में उच्च न्यायालय का अहम निर्णय, हिंदू विवाह अधिनियम 1955 ही प्रभावशाली कानून होगा

इन्दौर

जैन समाज के वैवाहिक विवादों पर कुटुंब न्यायालय द्वारा दिए गए विवादित आदेश कि जैन समाज पर हिंदू विवाह अधिनियम लागू नहीं होता, को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की युगल पीठ ने असंवैधानिक करार देते हुए स्पष्ट किया कि देश की संसद ने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत जैन समाज को उक्त अधिनियम के अधीन हिंदुओं के समकक्ष ही माना था। अतः जैन समुदाय के व्यक्तियों के विवाह संबंधी मामलों में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 ही प्रभावशाली कानून होगा। संसद ने हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख समुदायों को हिंदू विवाह अधिनियम में सम्मिलित किया था। उच्च न्यायालय द्वारा इस टिप्पणी के साथ जैन समाज के वैवाहिक विवादों में स्थिति स्पष्ट करने के अपने निर्णय के बाद जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक जैन टीनू ने उच्च न्यायालय के इस निर्णय का स्वागत करते कहा कि हम भले ही जैन हैं, लेकिन दशकों से हमारे समाज के वैवाहिक मामलों में हिंदू विवाह अधिनियम के तहत ही निर्णय होते आ रहे हैं। विवाह विच्छेद से संबंधित मामलों में जैन दंपतियों पर हिंदू विवाह अधिनियम लागू न होने का इन्दौर कुटुंब न्यायालय का फैसला न केवल समाज को असमंजस में डालने वाला था।

भावना सिंह हत्याकांड में दो नए सीसीटीवी फुटेज सामने आए, पुलिस ने आरोपियों की तलाश में भेजी टीमें

इन्दौर

दो दिन पहले लसूडिया थाना क्षेत्र अंतर्गत महालक्ष्मी नगर में आंख में गोली लगने के बाद हुए भावना सिंह हत्याकांड में दो नए सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। एक फुटेज में वह अपनी कार एक स्थान पर खड़ी कर पैदल जाती हुई दिखाई दे रही है, जबकि दूसरे फुटेज में एक आरोपी बुलेट पर किसी के साथ जाते हुए नजर आ रहा है। इन नये फुटेज के सामने आने के बाद लसूडिया थाना पुलिस आरोपियों की तलाश में नई रणनीति के तहत अलग-अलग टीमें बना आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है हालांकि पुलिस को अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि तीनों आरोपी आपस में बात करते हुए आगे बढ़ते जा रहे हैं। कुछ दूर चलने के बाद एक गली से बुलेट पर दो युवक आते हैं और एक युवक को अपने साथ बैठाकर वापस उसी गली में चले जाते हैं। बाकी दोनों युवक-युवती भी उसी गली में पैदल-पैदल जाते नजर आ रहे हैं। लसूडिया थाना प्रभारी तारेश सोनी के अनुसार जिस बुलेट पर बैठकर युवक गया है, उसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। उसकी तलाश जारी है और उसके मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

9 जिलों में ही मिला गेहूं खरीदी का काम

भोपाल

मप्र में 15 मार्च से गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद शुरू हो चुकी है, जो 5 मई तक चलेगी। इस बीच, राज्य सरकार ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से उपार्जन नीति में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद में महिलाओं को मौका देने के लिए महिला स्व-सहायता समूहों और ग्राम संगठकों को काम देने का प्रावधान किया गया है। लेकिन विडंबना यह है कि प्रदेश के 55 जिलों में से मात्र 9 जिलों में ही महिला स्व-सहायता समूहों को गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीदी का काम मिल पाया है। जिन जिलों में काम मिला है, उसमें भोपाल में 17 महिला एसएचजी, सीहोर में 12, शाजापुर में 8, देवास में 9, राजगढ़ में 4, बैतूल में 9, हरदा में 3, आगर-मालवा में 12 और अशोक नगर में 2 महिला समूहों को खरीदी का काम मिला है। गौरतलब है कि उपार्जन नीति में यह कहा गया है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है। महिला स्व-सहायता समूहों या ग्राम संगठकों को उपार्जन का काम देने के लिए प्रक्रिया निर्धारित कर निर्देश जारी किए गए हैं। इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत रजिस्टर्ड महिला स्व-सहायता समूहों या ग्राम संगठकों का एक वर्ष पहले का पंजीयन होना चाहिए। साथ ही समूह या संगठकों के बैंक खाते में कम से कम 2 लाख रुपये जमा होना अनिवार्य है। एक शर्त यह भी रखी गई है कि समूह ने पिछले एक साल में नियमित रूप से बैठकें बुलाई हों और समूह में सभी सदस्य और अधिकारी महिलाएं होना चाहिए। इसके अलावा वर्षों में उपार्जन कार्य में कोई अनियमितता नहीं की गई हो और महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठकों को उपार्जन (खरीद) का काम देने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की सिफारिश जरूरी है।

दस्तावेजों का हो रहा मिलान

प्रदेश में गेहूं की खरीदी के लिए गेहूं की खरीदी के लिए3222 खरीदी केंद्र खुल गए हैं। उज्जैन जिले में अब तक 185 केंद्र खुल गए हैं। पूरे प्रदेश में अब तक सिर्फ 76 महिला स्व सहायता समूह को काम मिला है। डीपीएम अमित बृजवानी ने बताया कि अभी समूहों को वितरण नहीं हो पाया है, क्योंकि लगातार शहर में इवेंट चलने से फाइल प्रक्रिया में है। समूह की ओर से दिए गए कागजात अधूरे थे, जिन्हें पूरा करवाने के बाद फाइल आगे प्रक्रिया के लिए बढ़ाई गई है। सीईओ जयति सिंह को फाइल जा चुकी है, वहां से कलेक्टर और उसके बाद शासन के पास जाएगी। इसके बाद मंजूरी आने पर नाम और सेंटर तय होते ही खरीदारी शुरू हो जाएगी। बृजवानी बताया कि उज्जैन जिले में 14 स्व-सहायता समूह चयनित किए गए हैं। इनके दस्तावेज देरी से मिलने के कारण प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हो हुई।

46 जिलों में नहीं मिला काम

गौरतलब है कि राज्य सरकार बार-बार कह रही है कि मप्र में गेहूं खरीदी का काम महिला स्वसहायता समूहों को दिया जाए। प्रदेश में 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का काम शुरू हो गया, लेकिन उज्जैन समेत 46 जिले ऐसे हैं, जहां किसी भी महिला स्वसहायता समूह को काम नहीं मिला है। उज्जैन के महालक्ष्मी समूह उज्जैनिया, राधाकृष्ण सलामता समूह घट्टिया, महिदपुर खेड़ा खजुरिया की महिला स्वसहायता समूह, स्वास्तिक समूह तारोट, भारतमाता समूह कला पिपलिया और अंजली सहायता समूह नरेलाकला समेत अन्य ने काम नहीं मिलने की शिकायत कलेक्टर, सीओ के साथ भोपाल में खाद्य विभाग से कर दी है। समूह की महिलाओं ने बताया कि पिछले साल उनके समूह ने काफी खरीदी की थी।

जैन संस्कार मंच द्वारा रक्त दान शिविर आयोजित

इन्दौर

सिद्धार्थ मुनि जी के दीक्षा दिवस के अवसर पर संस्था सेवा भारती एवं रणजीत हनुमान मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से जैन संस्कार मंच द्वारा रक्त दान शिविर लगाया गया जिसमें 60 यूनिट्स ब्लड कलेक्शन हुआ। अध्यक्ष सीए अरुण जैन ने बताया कि कलेक्ट रक्त एम वाय हॉस्पिटल में थेलिसिमिया रोगियों के लिए दिया गया। शिविर में रुपेंद्र जैन, प्रिंस मेहता, अंकुर जैन, प्रवीण चौरड़िया, शलभ जैन, शलभ कीमती, रजत चंडालिया, पीयूष जैन, हितेश मूणत, नीरज जैन, जाग्रति जैन मौजूद थे।

पेपर, विज्ञापन, समाचार, एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए
संभागीय ब्यूरो चीफ
महेश सिनकर इंदौर कार्यालय
दिलीप शुक्ला
ब्यूरो चीफ बड़वानी
श्रीकांत त्रिपाठी
क्राइम रिपोर्टर बड़वानी

हत्या के प्रयास के आरोपी को पुलिस ने 24 घन्टे में अन्दर धर दबोचा

कटनी।

अभिजीत रंजन पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं संतोष डेहरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय , श्रीमति ख्याति मिश्रा नगर पुलिस अधीक्षक तथा उप पुलिस अधीक्षक अजाक प्रभात कुमार शुक्ला जी के नेतृत्व में थाना प्रभारी माधवनगर उनि रूपेन्द्र राजपूत,पुलिस चौकी प्रभारी उनि नेहा मौर्या के सहयोग से हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को पकड़ने में मिली सफ़लता।

घटना का विवरण

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनाँक 23/3/25 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम गुबराधरी के राम सिंह गोंड को ग्राम ढेडी का सियाराम लुनिया के व्दारा बका से हत्या करने की नियत से गले व हाथ मे चोट पहूँचाया है जो सूचना पर जिला अस्पताल कटनी मे जाकर घायल राम सिंह गौड पिता ओरन सिंह गौड उम्र,55 साल निवासी गुबराधरी थाना माधवनगर से पूछताछ की जाकर बताया कि दिनाँक 23/03/25 के 11/00 बजे सुबह आरोपी सियाराम लुनिया के खेत में बनी मड़ई के पास महुआ बीनने की बात बोलने पर से धारदार बके से हत्या करने की नियत से गले मे व दाहिने हाथ की ऊँगली मे चोट पहुंचना बताया की रिपोर्ट पर जिला अस्पताल मे 0/25 धारा 296,109(1) 351(2) बी,एन,एस 3(2) ड्ड(क) 3(1)द 3(1)ध एसटी/एस,सी/एक्ट का कायम कर थाना माधवनगर मे असल अपराध क्र 284/25 धारा 296,109(1) 351(2) बी,एन,एस 3(2) ड्ड(क) 3(1)द 3(1)ध एसटी/एस,सी/एक्ट का कायम कर बिवेचना मे लिया गया मामला एससीएसटी एक्ट का होने से पुलिस अधीक्षक के व्दारा बिवेचना अधिकारी डीएसपी अजाक प्रभात शुक्ला जी को नियुक्त कर आदेश पत्र क्र/पु,अ/कटनी/रीडर 312/25 दिनाँक 23/03/25 के पालन मे आरोपी की तलाश पता साजी की गई जो आरोपी सुनहरा भटगवाँ जंगल से दस्तयाब हुआ जिससे पूछताछ मेमोरेन्डम मे अपना जुर्म स्वीकार करने पर आरोपी सियाराम लुनिया पिता स्वः बृजलाल लुनिया उम्र,45 साल निवासी ढेडी थाना माधवनगर से घटना मे प्रयुक्त बका को पेश करने पर लोहे के बका की जप्ती की जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर जेआर पर बिशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जो माननीय न्यायालय से आरोपी का जेल वारंट प्राप्त किया जाकर आरोपी को जिला जेल कटनी मे दाखिल किया गया।

इनकी रही भूमिका

उप पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार शुक्ला,अजाक थाना प्रभारी माधवनगर उप निरीक्षक रूपेन्द्र सिंह राजपूत, चौकी प्रभारी निवार, उप निरीक्षक नेहा मोर्या, सउनि कमलेश्वर शुक्ला प्र.आर.68 मनीष असैया ,प्र.आर.48 देवेश कुमार, आर.352 अरबिन्द कुशवाहा आर,549 बकील यादव की सराहनीय भूमिका रही ।

मां विंध्यवासिनी का मंदिर टीकमगढ़ ही नहीं बुंदेलखंड में भी प्रसिद्ध है:- कलेक्टर श्रोत्रिय

बल्देवगढ़

कलेक्टर ने स्थानीयजनों के साथ मिलकर विंध्यवासिनी देवी मंदिर की पहाड़ी पर चलाया स्वच्छता अभियान

कलेक्टर और बल्देवगढ़ तहसीलदार के द्वारा स्थानीय लोगों से पहाड़ी को स्वच्छ रखने की अपील की

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के नेतृत्व में आज बल्देवगढ़ स्थित मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर की पहाड़ी पर जनसहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारीगण तथा स्थानीयजन स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुये।कलेक्टर श्रोतिय ने जनप्रतिनिधियों,संबंधित अधिकारीगण तथा स्थानीयजनों के साथ मिलकर विंध्यवासिनी देवी मंदिर की पहाड़ी के चारों ओर फैले कचरे को साफ किया। उन्होंने इस संबंध में मंदिर समिति के सदस्यों से चर्चा की। समिति ने बताया कि श्रद्धालु प्रसाद की खाली पन्नियां और नारियल पहाड़ी पर फेंक देते हैं। कई लोग भंडारे के बाद दोने-पत्तल भी वहीं छोड़ देते हैं। इससे पहाड़ी के चारों ओर कचरा जमा हो गया था।

इस संबंध में कलेक्टर श्रोत्रिय ने ग्राम दुर्गानगर में स्थानीय लोगों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर और पहाड़ी की सफाई बनाए रखें, इससे पर्यावरण की रक्षा होगी और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी अच्छा लगेगा। उन्होंने इंदौर शहर का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां के लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हैं। कोई भी सड़क पर प्लास्टिक या कचरा नहीं फेंकता, जिससे शहर साफ रहता है।उन्होंने मंदिर कमेटी और स्थानीय लोगों से पहाड़ी को स्वच्छ रखने की अपील की।इस अवसर पर तहसीलदार अरविंद यादव, मंदिर समिति के अध्यक्ष रामस्वरूप यादव के अलावा

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संबंधित मंदिर समिति के सदस्य तथा स्थानीयजन स्वच्छता कार्यक्रम में शामिल हुये।

कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला स्तरीय जनसुनवाई में 131 आवेदन आए

धोखे से पैसे निकालने पर बड़ामलहरा कियोस्क संचालक की जांच कर एफआईआर के निर्देश कलेक्टर ने दिव्यांगों की समस्याओं को अलग से सुना

छतरपुर

मंगलवार को कलेक्टर श्री पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम श्री मिलिंद नागदेवे, एसडीएम श्री अखिल राठौर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती विशा माधवानी एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त 131 आवेदनों के निराकरण में गंभीरता बरतें और प्राथमिकता से निराकरण करें। कलेक्टर श्री जैसवाल ने जनसुनवाई में श्री सत्यम सिंह पिता श्री धनी सिंह निवासी ग्राम बरमा पो. सेधपा तहसील बड़ामलहरा द्वारा दिए गए आवेदन मे सुनवाई करते हुए उक्त आवेदक की मां के बैंक खाता से एसबीआई कियोस्क संचालक बड़ामहलरा द्वारा धोखे से पैसे निकाल लिए गए। जिसकी जांच के लिए कलेक्टर द्वारा तहसीलदार को निर्देश दिए गए और शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। तत्पश्चात कलेक्टर ने दिव्यांगों की सुनवाई अलग से की। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए।

21 आरोपियों के विरुद्ध आवकारी अधिनियम में हुए प्रकरण कायम

बल्देवगढ़/खरगापुर

पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा अवैध मादक/नशीले पदार्थों पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु साप्ताहिक अभियान चलाया गया । जिसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ सीताराम एवं एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटरे, के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना /चौकी प्रभारियों द्वारा मुखबिर सूचनाओं पर तस्दीक कर 21 आरोपियों से 376 लीटर अवैध शराब कीमती ?135480/- की मय फ़ोर व्हीलर वाहन के जप्त कर आवकारी एक्ट में प्रकरण पंजीबध कर विवेचना में लिया गया।

कर्मा जी के आदर्श हमें समाज के उत्थान और परोपकार की प्रेरणा देते : रविकरण साहू अध्यक्ष, म.प्र. तेलघानी बोर्ड

जबलपुर।

माँ कर्मा साहू युवा संस्था, जबलपुर के तत्वाधान में 1009वीं जयंती एवं 35वें वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रविकरण साहू जी (कैबिनेट मंत्री दर्जा, अध्यक्ष, म.प्र. तेलघानी बोर्ड(सपरिवार उपस्थिति रहे । कार्यक्रम में माँ कर्मा जी की भव्य आरती, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का सम्मान तथा भंडारा एवं प्रसाद वितरण जैसी अनेक गतिविधियाँ संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. दीपक साहू (अध्यक्ष, आई.एम.ए., रेडियोलॉजिस्ट) ने अध्यक्षता की, वहीं श्री राधेश्याम साहू (राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष, भा. तैलिक साहू महासभा), श्रीमती रजनी कैलाश साहू (एम.आई.सी. सदस्य, नगर निगम, जबलपुर), श्री कैलाश साहू (अध्यक्ष, श्री साहू वैश्य नगर सभा, जबलपुर), श्री राजकुमार साहू

(पार्षद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड), श्री सुधीर साहू (नगर उपाध्यक्ष, भाजपा, जबलपुर), श्री रामकुमार साहू (डायरेक्टर, रामूजी वॉटर पार्क), श्रीमती श्रद्धा साहू (जिला अध्यक्ष, साहू महिला मंडल), श्रीमती नम्रता सतीश साहू (अध्यक्ष, साहू महिला मंडल) एवं अन्य गणमान्य अतिथियों तथा सभी सामाजिक बंधुओं मातृशक्ति बच्चों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया।

इस भव्य आयोजन के संरक्षक लखनलाल साहू, सनत साहू एवं राजकुमार साहू रहे, जबकि आयोजन समिति में अध्यक्ष दीपक साहू, सचिव सुनील साहू (सरजू), संयुक्त सचिव रमेश साहू (प्रयास पत्रिका), प्रचार मंत्री सुधीर साहू, मीडिया प्रभारी सतीश साहू (गोटू) एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी धीरज साहू (रूपालीश्री) सहित समाज के अनेक सक्रिय कार्यकर्ताओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री रविकरण साहू जी ने अपने उद्बोधन में समाज की एकता एवं विकास पर जोर देते हुए कहा कि माँ कर्मा जी के आदर्श हमें समाज के उत्थान और परोपकार की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने समाज के समग्र विकास हेतु सभी को संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठजनों ने समाजहित में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इस सफल आयोजन के लिए श्री माँ कर्मा साहू युवा संस्था, जबलपुर एवं समस्त आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं समाजजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। यह आयोजन समाज की एकता, समर्पण एवं संस्कृति की अद्भुत झलक प्रस्तुत करता है।

माता कर्मा देवी जी के 1009वें जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन

जबलपुर।

आराध्य देवी माता कर्मा जी के 1009वें जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर जबलपुर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह विशाल यात्रा मालवीय चौक से प्रारंभ होकर बड़ी खेरमाई मंदिर तक निकाली गई, जिसमें समाजजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि करण साहू (कैबीनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) ने सहभागिता की तथा कहा कि माता कर्मा जी के आदर्शों और समाज कल्याण के कार्यों का स्मरण करते हुए समाज को संगठित और सशक्त बनाने का आह्वान किया। शोभायात्रा में

श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों, जयघोष और आकर्षक झांकियों के साथ माता जी की भव्य आरती कर मंगलकामनाएं दीं। यात्रा के पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा की गई एवं अनेकों मंचों के माध्यम से नगरवासियों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक आकर्षक झांकियां निकाली गई, जो साहू समाज की समृद्ध परंपराओं और एकता का प्रतीक बनीं। इस आयोजन में साहू समाज के सभी गणमान्यजन, युवा साथी, मातृशक्ति और नगर के श्रद्धालुजन उत्साहपूर्वक सहभागी बने। यह भव्य आयोजन समाज की एकता और श्रद्धा का प्रतीक बना। आभार प्रकट करते हुए हम सभी सामाजिक संस्थाओं और बंधुओं का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

हत्या के आरोपियों को देवरदा चौकी पुलिस द्वारा 48 घंटे के अन्दर किया गिरफ्तार

बल्देवगढ़

पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मण्डलोई द्वारा लगातार गंभीर अपराध के आरोपियों को पकडने हेतु निर्देशित किया जा रहा है, जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम एवं एसडीओपी टीकमगढ राहुल कटरे के मार्गदर्शन में थाना बल्देवगढ के अप.क्र. 109/25 धारा 103(1),296,115(2), 118(1),351(2),3(5) बीएनएस में फरार आरोपी अकलेश उर्फ अखलेश पिता खलक सिंह उर्फ खलका लोधी एवं आरोपी सुरेन्द्र पिता आशाराम उर्फ आशु लोधी निवासियान ग्राम सूरजपुर थाना बल्देवगढ़ की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था! जिसमे 21/03/25 को थाना बल्देवगढ एवं चौकी देवरदा से अलग- अलग टीमें बनायी गयी! जिसमें थाना बल्देवगढ से उनि. जे.एन. भगत, प्र.आर. काजी अजीमुद्दीन, आर. अनुज, आर. जीतेन्द्र, म.आर. रिया जैन एवं चौकी देवरदा से उनि. अवनीश गिरि, प्रआर. रामलाल यादव, आर. गुलबंद, आर. अजय, आर. राजेश अहिरवार एवं सैनिक काशीप्रसाद पाण्डेय एवं सायबर सेल टीकमगढ से प्रआर0 रहमान खांन शामिल रहे। जिसमें दोनों टीमों द्वारा आरोपियों की तलाश पतारसी के लगातार प्रयास किये जा रहे थे!

108 बनी सातत्यता के साथ जीवनदायिनी जिसमें 108 जिला प्रभारी और एम्बुलेंस स्टाफ ने पुनः दिया सक्रियता का परिचायक

बल्देवगढ़/टीकमगढ़

रविवार लगभग रात्रि 07~48 बजे 108 आपातकालीन लाइन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक एक्सीडेंट केस आया जिसका अनुदेश जिला प्रभारी सुरेंद्र गंगवार जी को मिला उन्होंने तत्काल नजदीकी एम्बुलेंस निवाड़ी की ए एल एस गाड़ी न 5242 को यथाशीघ्र रवाना कराया मौके पर पहुंची एम्बुलेस ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को एम्बुलेंस में ऑन ड्यूटी पायलेट अशोक चढ़ार और ई एम टी अंकुश ने घायलों को एंबुलेस में शिफ्ट किया और प्राथमिक उपचार के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवाड़ी में तत्काल इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया ज्ञातव्य हुआ चार पहिया वाहन जो निवाड़ी जिला निवाड़ी से निनोरा जा रहा अचानक लक्ष्मणपुरा में सामने से आ रही बोलेरा वाहन ने टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई।

इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा सांई जन्मोत्सव सांई फेंस क्लब की हुई बैठक

कटनी।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी साई फेंस क्लब द्वारा साई जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाने समिति सदस्यों द्वारा तैयारी प्रारंभ कर दी गई है गत दिवस साई फेंस क्लब की बैठक शेर चौक में हुई जिसमें कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई द्य रजनीश जी शास्त्री द्वारा जानकारी में बताया गया कि इस बार साईं जन्मोत्सव का तीन दिवसीय कार्यक्रम 10 अप्रेल से 12 अप्रेल तक रहेगा जिसमें 10 अप्रेल को अभिषेक पूजन 11 अप्रेल को साई विशाल साई शोभायात्रा जो कि मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस मंदिर पर समाप्त होगी इसके बाद 12 अप्रेल को सुबह 12 बजे से हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा व शाम को भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा जिसके बाद कार्यक्रम का समापन होगा बैठक मे रजनीश जी शास्त्री पप्पू गुप्ता , संदीप गुप्ता मंटू पार्षद अवकाश जायसवाल नीरज दुबे सुरेंद्र सोनी रौनक खण्डेलवाल सुनील हसीजा प्रदीप दुबे सुमित जायसवाल सुरेन्द्र सोनी दीपक कचेर मनीष साहु अमित तोमर रूपेश पहारिया डॉ रमेश सोनी संजय नकरा शरद गुप्ता वीरेंद्र सोनी प्रदीप गुप्ता कमलेश सोनी विपिन सोनी सुशांत पटेल भीष्म बरसानी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे ।

एक ही परिवार के लोगों में आपसी झगड़ा हो गया जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया

छतरपुर

गुलगंज थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गढ़ा में एक ही परिवार के लोगों में आपसी झगड़ा हो गया जिसमें भगुनता रजक ह्य/श्च हज्जू रजक बुरी तरह से घायल हो गए प्राप्त जानकारी के अनुसार गुलगंज थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गढ़ा में एक ही परिवार के लोगों के बीच जल को लेकर आपसी लड़ाई हो गई जिसमें घायल भगुनता रजक के ही पांच भतीजों ने मिल कर अपने ही सगे संबंधी (चाचा) को बुरी तरह से मार मार कर घायल कर दिया घायल भगुनता रजक को हाथ,पैर, ओर सर में गंभीर चोटे आई घायल भगुनता रजक की बेटी ने अपने पिता को घायल देख तुरन्त 108 ज्ञश्चद्यद्य स्नह्लद्भद्द नंबर पर एंबुलेंस के लिए कॉल किया । तब घटना की सूचना मिलते ही मातगुवां लोकेशन की 108 एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची।

घटना की सूचना जिला प्रभारी के संज्ञान में आते ही नजदीकी सभी एम्बुलेंस स्टाफ को निर्देश देकर एम्बुलेंस रवाना की गई। पायलट भागचंद्र रजक और ईएमटी गोविन्द सेन ने घायल भगुनता रजक को 108 एंबुलेंस में ही प्राथमिक उपचार देते हुए ग्राम गढ़ा, गुलगंज से जिला अस्पताल छतरपुर लेकर पहुंचे और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पेपर विज्ञापन समाचार
एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए
सुनील कुमार राय
प्रतिनिधि जबलपुर
कार्यालय जबलपुर

मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के जन्म दिन पर समर्पित की गई पंच चौकी महा आरती

अनवर खान /मंडला (फतवा)

मंगलवार 25 मार्च को मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के जन्मदिन के अवसर पर नर्मदा तट के माहिष्मती घाट पर भव्य पंच चौकी महा आरती माँ नर्मदा को समर्पित की गई। मुख्यमंत्री के दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना के साथ श्री नर्मदा पूजन के पश्चात नर्मदाष्टक का पाठ किया गया। इसके बाद समवेत स्वर में मॉ नर्मदा की आरती की गई। मुख्यमंत्री श्री यादव के जन्मदिन की खुशी में आरती के पश्चात आतिशबाजी भी की गई। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, अध्यक्ष जिला पंचायत मण्डला श्री संजय कुशराम, मण्डला नगर पालिका परिषद

अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, भाजपा जिला अध्यक्ष , श्रीमती सोनल सिडाम सहित बड़ी संख्या में श्रृद्धालुजन उपस्थित रहे। मंत्री भी रही उपस्थित मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने किया दुग्ध अभिषेक एवं दीपदान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने माँ नर्मदा जी का दुग्ध अभिषेक किया। इसके साथ नर्मदा जल में दीपदान कर मुख्यमंत्री श्री यादव के यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, नगर भाजपा अध्यक्ष श्री रानू राजपूत, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय डिण्डौरी

ग्राम टिकरिया मे हुये अंधे हत्याकांड का डिण्डौरी कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा

दुर्गेश बर्मन/डिंडौरी (फतवा)

ग्राम टिकरिया थाना डिण्डौरी का थाना कोतवाली डिण्डौरी मे रिपोर्ट दिनांक 20.03.25 को थान सिंह धुर्वे पिता स्व0 मंगलू सिंह धुर्वे उम्र 26 साल निवासी ने दर्ज कराया कि इसकी मझली बहन भूरी बाई धुर्वे पिता स्व. मंगलू सिंह धुर्वे जाति बैगा उम्र 25 साल निवासी ग्राम टिकरिया की गांव के पास भर्रा मे मृत हालत मे पडी हुयी है, जिसके गले मे एवं पेड मे साडी से फंदा फंसा हुआ है, की सूचना पर थाना कोतवाली डिंडौरी में मर्ग क्रमांक 09/25 धारा 194 ब्नहस्स् का कायम कर जाँच में लिया गया । मर्ग जांच के दौरान घटनास्थल निरीक्षण कर शव पंचनामा कार्यवाही बाद मृतिका के शव का पीएम जिला अस्पताल डिंडौरी से कराया गया, मामले के प्रार्थी थान सिंह धुर्वे व गवाह खुशी बाई के कथन लेख बद्ध किये गये हैं । जॉच दौरान मौके पर पाये गये साक्ष्य एवं पीएम रिपोर्ट के आधार पर मृतिका भूरी बाई पिता स्व मंगलू सिंह धुर्वे उम्र 25 साल निवासी टिकरिया की किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा हत्या कर देना व हत्या छिपाने की गरज से आत्महत्या का स्वरूप देने के उददेश्य से मृतिका के शव को पलाश के पेड के नीचे रखकर मृतिका की धुतिया का एक सिरा गले में लपेटकर दूसरा सिरा

पलाश के पेड के डगाल में बांध देना पाया गया है जो प्रथम दृष्टया अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 103(1), 238 बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी श्रीमति वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डिण्डौरी जगनाथ मरकाम के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डिण्डौरी के0 के0 त्रिपाठी के निर्देशन मे थाना प्रभारी डिण्डौरी दुर्गा प्रसाद नगपुरे द्वारा अपनी टीम के साथ मर्ग जॉच मे आये तथ्यो की बारीकी से जॉच की जाकर मृतिका के साथ ग्राम टिकरिया के ही रहने वाले धन्नूलाल यादव पिता स्व0 बलीराम यादव का प्रेम प्रसंग होने एवं उसके चलते हत्या की आशंका के आधार पर पूछताछ की गयी, जो धन्नूलाल यादव द्वारा बताया गया कि दिनांक 19/03/2025 की रात्रि मे भूरी बाई बैगा मुझे अपने साथ शादी करने एवं बाहर भाग चलने के लिये कहने लगी, पहले से शादीशुदा होने के चलते मैने अपने परिवार को ना छोडने की बात की तो भूरी बाई मेरे साथ झगडा विवाद करने लगी,आकस्मिक झगडे के चलते मृतिका भूरी बाई की हत्या उसी की साडी का फंदा बनाकर गला घोटकर करना एवं हत्या को आत्महत्या का स्वरूप देने के उददेश्य से फांसी जैसा फंदा बनाकर मृतिका के गले मे एवं पेड मे बांधना स्वीकार किया है । आरोपी धन्नूलाल यादव पिता स्व0 बलीराम यादव उम्र 32 साल निवासी ग्राम टिकरिया को गिर0 कर माननीय न्यायालय पेश किया जाता है ।

विशेष भूमिका

थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे, उनि बी एल बरकडे, सउनि मनमोहन सिंह, सउनि अरूण पटैल, प्रआर 98 दिनेश तेकाम, प्रआर 151 दीपक पटेल, प्रआर 351 प्रवीण खंपरिया, प्रआर 27 हनुमान सिंह, आरक्षक 211 सत्येंद्र डहेरिया, आरक्षक 133 नरेश उइके, आरक्षक 350 नीलेश साहू, म0 आर0 119 श्रध्दा यादव, चालक आरक्षक 395 मनोज कुंजाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनके द्वारा अपराध कायमी के बाद लगातार विवेचना करते हुये अंधे हत्याकांड का खुलासा कर आरोपी को गिर0 किया गया है ।

अमरपुर पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब बिक्री के 4 ठिकानों पर की आबकारी एक्ट की कार्यवाही

दुर्गेश बर्मन/डिंडोरी (फतवा)

पुलिस अधीक्षक डिंडोरी श्रीमती वाहनी सिंह के द्वारा अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त होने पर अति.पुलिस अधीक्षक डिंडोरी जगनाथ मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बजाग पुरुषोत्तम सिंह मरावी, थाना प्रभारी समनापुर निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी अमरपुर अतुल हरदहा द्वारा अवैध शराब विक्रय पर रोकथाम लगाने हेतु टीम तैयार कर दिनांक 23/03/25 को (1) आरोपिया पार्वती बाई पति परम लाल निवासी ग्राम बिजौरी चौकी अमरपुर थाना समनापुर जिला डिण्डोरी से देशी मदिरा प्लेन शराब 11 पाव कीमती 880/ रूपये एवं अंग्रेजी जीनियस व्हीस्की शराब 04 पाव कीमती 540/ रूपये, अंग्रेजी जिनियस रम शराब 06 पांव कीमती 810/ रूपये कुल कीमती 2230/ रूपये की अवैध शराब जप्त की गई ।

(2) आरोपी बसंत कुमार पिता भाई लाल उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम अमरपुर चौकी अमरपुर से देशी मदिरा प्लेन शराब 15 पाव कीमती 1200/ रूपये एवं अंग्रेजी जीनियस व्हीस्की शराब 05 पाव कीमती 675/ रूपये, अंग्रेजी जिनियस रम शराब 05 पांव कीमती 675/ रूपये कुल कीमती 2550/ रूपये की अवैध शराब जप्त की गई ।

(3)आरोपी राकेश कुमार पिता बुद्धसिंह पुषाम उम्र- 28 साल निवासी ग्राम अमरपुर चौकी अमरपुर से देशी मदिरा प्लेन शराब 18 पाव कीमती 1260/ रूपये एवं अंग्रेजी जीनियस व्हीस्की शराब 04 पाव कीमती 540/ रूपये, अंग्रेजी जिनियस रम शराब 03 पांव कीमती 405/ रूपये कुल कीमती 2205/ रूपये की अवैध शराब जप्त की गई ।

(4). आरोपी दीपक कुमार पिता शिवप्रसाद वनवासी उम्र- 28 साल निवासी ग्राम अमरपुर चौकी अमरपुर थाना समनापुर जिला डिण्डोरी (म0प्र0) देशी मदिरा प्लेन शराब 21 पाव कीमती 1470/ रूपये एवं अंग्रेजी जीनियस व्हीस्की शराब 03 पाव कीमती 405/ रूपये कुल कीमती 1875/ रूपये की अवैध शराब जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही में एएसआई रामरतन झरिया, प्रधान आरक्षक 366 संतोष मरावी गोपनीय सैनिक केहर की भूमिका रही।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने पेयजल प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले में पेयजल की समस्या ना हो, सभी को पेयजल पर्याप्त मात्रा में मिलें। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाये। यह निर्देश जल संसाधन विभाग मंत्री एवं बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने वर्चुअली बैठक लेकर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ एवं नगर निगम आयुक्त को दिये। बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री सिलावट ने निर्देशित किया कि जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान माह अप्रैल, मई एवं जून में जल संकट जैसी स्थिति निर्मित ना हो। इसका समय रहते निराकरण कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि पिछले 2 वर्षों की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रों को अभी से चिह्नित कर लिया जाये तथा बेहतर कार्ययोजना तैयार करते हुए अवगत करवाना सुनिश्चित करें। बुरहानपुर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने यह भी निर्देश दिये है कि पशुओं के लिए पानी, चारा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। निर्देशों के परिपालन में बुरहानपुर कलेक्टर हर्ष सिंह ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।

शहीद भगत सिंह के स्मृति दिवस पर पुष्प अर्पित कर उनके अरमानों को पूरा करने का संकल्प : भा क पा

ग्वालियर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के देशव्यापी राजनीतिक अभियान 23 मार्च से 14 अप्रैल 2025 तक भारतीय जनता पार्टी केंद्र की जन विरोधी आर्थिक नीतियों के खिलाफ शहीद भगत सिंह व संविधान निर्माता के विचारों को प्रचारित करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है । आज 23 मार्च 2025 को लश्कर नई सड़क पार्टी कार्यालय से प्रातः 11:00 बजे सभी कार्यकर्ता दाल बाजार लश्कर स्थित शहीद भगत सिंह प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर संकल्प लिया।

जयंत में आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में गणमान्य लोगों सहित सैकड़ो लोगों ने की शिरकत

सिंगरौली

रविवार को जयंत स्थित मस्जिद मार्केट में रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें समाज के विभिन्न तबके के लोग शामिल हुए। प्रत्येक वर्ष रमजान के पवित्र माह में यहां इफ्तार पार्टी का आयोजन होता है। असलम अली, इरफान खान, तौसीफ अहमद, कासिफ, परवेज, अरमान, साहिल सहित कमेटी के सदस्यों ने मिलकर रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जिसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई सहित अलग अलग धर्मों को मानने वाले लोग शामिल हुये जहां सिंगरौली की गंगा जमुनी तहजीब देखने को मिली। पार्टी में मुख्य रूप से महापौर रानी अग्रवाल, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह, आशा गुप्ता, महेन्द्र पटेल, अनिल पार्षद, संजय खान फरदीन भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा महामंत्री, मुकेश सिंह, सुषमा सिंह, आप जिलाध्यक्ष रतिभान प्रसाद सहित सैकड़ो लोग शामिल हुये।

सभी धर्मों के लोगों ने पहुंचकर पेश की आपसी भाई चारे की मिशाल

कलेक्टर की जन सुनवाई में 165 लोगो ने दिया अपना आवेदन जन सुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गभीरता के साथ निराकरण करे अधिकारीः-कलेक्टर

सलीम खान /सिंगरौली (फतवा)

जिले के विभिन्न अंचलो स आयें हुयें 165 लोगो ने कलेक्ट्रेट में आयोजित जन सुनवाई में कलेक्टर श्री चन्द्र शेखर शुक्ला को अपना आवेदन देते हुयें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने सभी आवेदन पत्रो पर गंभीरता से विचार करते हुये जन सुनवाई में उपस्थित विभागीय अधिकारियों से कई आवेदन पत्रो का जन सुनवाई में ही निराकरण कराया गया। साथ ही ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जन सुनवाई के दौरान नही हुआ उनके आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सबंधित आवेदनो पर तत्परता दिखाते हुयें समय सीमा में

निराकरण सुनिश्चित कराये।जन सुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर पी.के सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, सीएमएचओ एन.के जैन, राजस्व अधिकारी नगर निगम आरपी बैस सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगरौली क्षेत्र के लिए पेपर, विज्ञापन ,समाचार, एजेंसी हेतु संपर्क करें

सलीम खान
ब्यूरो चीफ
कार्यालय पोस्ट ऑफिस रोड सिंगरौली

प्रेम सोनी
प्रतिनिधि सिंगरौली

शुचि उपाध्याय का मल्टी डे टूर्नामेंट में चयन

अनवर खान /मंडला (फतवा)

मंडला की शान क्रिकेटर शुचि उपाध्याय बी सी सी आई नेशनल चैलेंजर ट्राफी में एम पी की 6 खिलाड़ी बालिका शामिल। बी सी सी आई के मल्टी डे वूमेन क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मध्यप्रदेश से 6 बालिका खिलाड़ी का चयन किया गया जिसमें मंडला की शुचि उपाध्याय शामिल हैं। देहरादून में आयोजित इस टूर्नामेंट में राष्ट्रीय स्तर पर चार टीम गठित की गई हैं जिसमें शुचि उपाध्याय (मंडला) शामिल है। विदित हो कि शुचि उपाध्याय इन दिनों गोहाटी में अंडर 23 वूमेन ट्राफी के लिए मध्यप्रदेश की टीम में शामिल है इसके

पूर्व सीनियर वूमेन टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट प्राप्त करने पर,प्लेयर ऑफ सीरीज रह चुकी हैं। शुचि की सफलता पर जिला क्रिकेट संघ के अजय मिश्रा,इम्तियाज अली, ललित जोशी, भीसम दिवेदी, ज्ञानेंद्र झा, निशांत झा, शिवांसू तिवारी,बसंत ठाकुर सहित खेल प्रेमियों ने बधाई एवम् शुभकामनाए प्रेषित की है।

पेपर विज्ञापन समाचार

एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

अनवर खान
ब्यूरो चीफ मंडल
जिला कार्यालय मंडल

पेपर विज्ञापन समाचार

एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

दुर्गेश बर्मन
ब्यूरो चीफ डिंडोरी
जिला कार्यालय डिंडोरी

शबरी जलप्रपात में दिखा तेंदुआ, मिले पगमार्क:वन विभाग ने बढ़ाई निगरानी; लोगों को बिना जरूरत नजदीक न जाने की चेतावनी

मैहर

सतना के चित्रकूट वन क्षेत्र में एमपी-यूपी बॉर्डर पर स्थित शबरी जलप्रपात में तेंदुओं का समूह देखा गया। वन विभाग ने पहली बार 5 मार्च को इन तेंदुओं को देखा था। तब से दोनों राज्यों के वन विभाग की टीम इनकी गतिविधियों पर नजर रख रही है। सोमवार को सोशल मीडिया पर शबरी प्रपात में तेंदुओं का एक वीडियो सामने आया है। इसके अलावा 21 मार्च को इस क्षेत्र में तेंदुए के पगमार्क भी मिले हैं। चित्रकूट के रेंजर विवेक सिंह के अनुसार,ये स्थल जुड़ेही बीट के कक्ष क्रमांक पीएफ 65 में है।

बिना जरूरत के प्रपात की ओर न जाएं

वर्तमान समय तेंदुओं का प्रजनन काल है। वन विभाग ने पर्यटकों और आसपास के गांवों के लोगों को चेतावनी दी है कि वे बिना जरूरत के प्रपात की ओर न जाएं। विशेष रूप से शाम के समय सावधानी बरतें, क्योंकि इस दौरान तेंदुए अपनी मांद से निकलकर वन क्षेत्र में घूमते हैं।

पर्यटन विकास के लिए 60 लाख की स्वीकृति

शबरी जलप्रपात मध्यप्रदेश के सतना और उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले की सीमा पर पयस्विनी नदी पर स्थित है। मानसून में यहां का जलप्रपात 250 फीट की ऊंचाई तक पहुंच जाता है। ये क्षेत्र लगभग 170 सफेद गिद्धों का भी घर है। पर्यटन विकास के लिए डीएमएफ फंड से 60 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी है। चित्रकूट का पूरा वन क्षेत्र कंदराओं और भोजन-पानी की पर्याप्त उपलब्धता के कारण बाघ और तेंदुओं जैसे हिंसक वन्य जीवों के लिए अनुकूल माना जाता है।

विश्व जल दिवस पर जागरूकता अभियानः जल संरक्षण का लिया संकल्प

सतना

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की परियोजना क्रियान्वयन इकाई रीवा के तत्वाधान में नगर परिषद मैहर के न्यू रामनगर में शनिवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण के महत्व और स्वच्छ पेयजल के स्वस्थ जीवन में योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

राम बहोर सिंह का लगा हुआ गेंहू 8 से 10 एकड़ का बन्धबा जल कर हुआ ख़ाक बिजली की तार से शार्ट सर्किट होने से

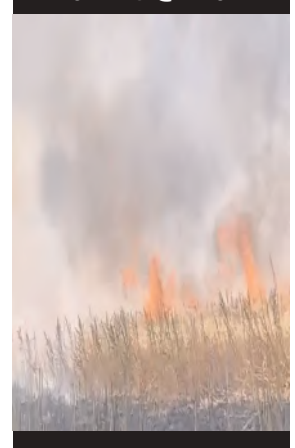

सतना

जिले के रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मझटोलवा असरार में रामबहोर सिंह के बिजली के तार से शार्ट सर्किट होने लह लहाते गेंहू में आग लग गई है,यह आग अगल बगल खेतो में पकड़ ली है।रामबहोर सिंह का लाखो रुपये का नुकसान हो गया। जब नुकसान हो दमकल फायर पहुँचता है। राम बहोर सिंह का 8 से 10 एकड़ का पका हुआ गेंहू जल कर खाक हो गया। मौके पर फायर दमकल की टीम पहुँच गई है, पुलिस प्रशासन भी मुआयना कर रहा।

सभी सोनोग्राफी सेंटरों का नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण होगा

सागर

पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के तहत गठित जिला सलाहकार समिति की शनिवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न जिला सलाहकार समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि सतना और मैहर जिले में संचालित सभी 38 कार्यरत सोनोग्राफी सेंटरों का नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया जाये। जिला सलाहकार समिति की बैठक में पदेन सदस्य जिला जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास की ओर से सहायक संचालक श्यामकिशोर द्विवेदी, अशासकीय सदस्य जिया अहमद राज, नोडल अधिकारी डॉ. भूमिका जगवानी, डॉ. सुनील पाण्डेय भी उपस्थित थे।

तुलावटी संघ के अध्यक्ष के साथ हुई मारपीटःविरोध में मंडी का कामकाज पूरी तरह ठप; तुलावटी और हम्माल काम पर नहीं आए

सतना

सतना की कृषि उपज मंडी में तुलावटी संघ के अध्यक्ष के साथ हुई मारपीट के विरोध में बुधवार को पूरा कामकाज ठप हो गया। तुलावटी और हम्माल काम पर नहीं आए। मंगलवार को एक व्यापारी और उसके साथियों ने तुलावटी संघ के अध्यक्ष शरद परौहा के साथ मारपीट की थी। इसके बाद पीड़ित ने कोलगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई। परौहा का कहना है कि मंडी प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह फेल है। विवाद, तौल कांटों को लेकर हुआ था। मंडी समिति ने तुलावटियों को आधिकारिक तौल कांटे दिए हैं। ज्यादातर व्यापारी इन्हीं कांटों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आनंद ट्रेडिंग नाम की फर्म अपने खुद के तौल कांटे का उपयोग करती है।

200-250 ग्राम का अंतर

किसानों का आरोप है कि इस फर्म के तौल कांटे में हर बार 200-250 ग्राम अधिक माल लिया जाता है। इससे उन्हें नुकसान हो रहा है। किसानों का यह भी आरोप है कि मंडी के अधिकारी और कर्मचारी व्यापारी से मिले हुए हैं। विरोध करने पर मारपीट की जाती है। मंडी सचिव ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मंडी में व्यापारियों द्वारा नीलामी के दौरान किसानों की उपज का कम भाव लगाने की शिकायतें भी आ चुकी हैं।

महाविद्यालय नागौद में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

सतना

शासकीय जलद त्रिमूर्ति महाविद्यालय नागौद में प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 फरवरी से 20 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया। जिसमें रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण कौशल प्रशिक्षण तथा कम्प्यूटर रिक्ल उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. (सेडमैप) एवं स्वामी विवेकानन्द कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल (म.प्र.) के संयुक्त तत्वाधान से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय में अध्ययनरत बीए, बीएससी, बीकॉम द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 43 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण कौशल तथा कम्प्यूटर स्किल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.पी. शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पंकज कुमार यादव द्वारा किया गया।

कर्मवीर योद्धा पदक से नवाजे गए थाना प्रभारी केपी त्रिपाठी

सतना।

कोरोना काल मे रोकथाम के लिए अद्भुत चुनौतियों से संघर्ष के दौरान किये गए परिश्रम एवं उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए वर्तमान थाना प्रभारी अमरपाटन केपी त्रिपाठी को प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन यादव जी के प्रशस्ति पत्र और कर्मवीर योद्धा पदक से सम्मानित किया गया, आपको बता दे के कोरोना काल के दौरान श्री त्रिपाठी जी सतना जिले के जसो थाना में अपनी सेवा दे रहे थे उस दौरान

इस महामारी से लोगो को बचाने के लिए अपनी जान की परवाह किये बिना महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी इस कर्तव्य को देखते हुए आज थाना प्रभारी केपी त्रिपाठी सम्मानित हुए।

कृषि और शिक्षा का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसे सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए : कार्तिक मलैया

सागर।

विचार समिति द्वारा एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मलैया प्राकृतिक फार्म में पारस विद्या विहार के शिक्षकों को कार्तिक मलैया ने प्राकृतिक खेती के महत्व और सही तकनीकों के बारे में समझाया। प्रशिक्षण में 80 शिक्षकों ने भाग लिया। ज्ञातव्य हो कि कार्तिक मलैया ने पूना के विज्ञान आश्रम में प्राकृतिक खेती और खाद बनाने पर रिसर्च की है। प्रशिक्षण देते हुए कार्तिक मलैया ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षा जगत के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की महत्वता को बढ़ावा देना है क्योंकि कृषि और शिक्षा का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है जिसे शिक्षक ही कर सकते हैं। जब प्राकृतिक खेती की जानकारी सीधी अध्यापकों के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलेगी तो एक बहुत बड़ी संख्या में जागरूकता और स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती की सही जानकारी होने से बच्चे प्राकृतिक खेती सहज और सरल तरीके से अपने घर के गमले में, किचन गार्डन में कर सकते हैं। घर में उपलब्ध रसोई से निकलने वाले कचरे एवं आसपास उपलब्ध प्राकृतिक कचरे का सही निष्पादन होगा। बच्चों में प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ेगी जिससे उनको मोबाइल इत्यादि उपकरणों से हटकर एक नई दिशा मिलेगी और फास्ट फूड से हटकर उनके स्वयं के द्वारा उगाई गई फल सब्जियों से वे स्वयं और परिवार भी स्वस्थ रहेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया, जैसे जैविक उर्वरकों का उपयोग, फसल चक्रीकरण, जल संचयन और कीट नियंत्रण के प्राकृतिक तरीके। कार्यक्रम में कार्तिक मलैया ने बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि यह किसानों की आय में भी वृद्धि कर सकती है। शिक्षकों को इस विषय पर कार्यशालाओं और प्रैक्टिकल के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया ताकि आने वाले समय में शिक्षकों द्वारा बच्चों में प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूकता फैलाने से एक नया कृषि सुधार हो सके। इसके अलावा इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से सोचने और उसे अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

जंगल में लगी आग को रात के अंधेरे में पत्रकारों ने बुझाया

पन्ना टाईगर रिजर्व अंतर्गत बफर जोन का मामला, वाडियो वायरल हो रही सराहना

पन्ना।

पन्ना टाइगर रिजर्व अंतर्गत बफर जोन के जंगलों में लगी भीषण आग को तेजी से फैलते देख देर रात पत्रकारों की टीम के द्वारा साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए स्वयं बुझाने का मामला सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामले के संबंध में बताया गया है कि 23 मार्च 2025 की रात लगभग 10 बजे विशेष कवरेज से वापस पन्ना लौट रही पत्रकारों की 5 सदस्यीय टीम जैसे ही अजयगढ़ घाटी पार कर हर्रा चौकी के पास पहुंची पन्ना टाइगर रिजर्व बफर जोन के जंगल में सड़क किनारे तेजी से फैल रही आग को देखकर तत्काल वन कर्मियों को फोन करने का प्रयास किया लेकिन मोबाइल नेटवर्क की कमी के कारण वनकर्मियों से संपर्क नहीं हो सका। जंगल की यह आग तेजी से फैल रही थी जो शीघ्र नहीं बुझाने पर रात भर में काफी बड़े जंगल को तबाह कर सकती थी, यह देखकर पत्रकार संजय सिंह राजपूत, लक्ष्मी नारायण चिरौल्या, अजीत खरे, मनीष सारस्वत, कंप्यूटर ऑपरेटर अजय कोंदर एवं ड्राइवर रामरतन सिंगरौल हाथों में पेड़ों की टहनियां लेकर स्वयं आग बुझाने में जुट गए, लगभग आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाने में कामयाबी मिल गई इसके बाद पत्रकारों की टीम मौके से रवाना हो गई, यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। पत्रकारों के साहस एवं नेक व परोपकार के कार्य की लोगों के द्वारा जमकर सराहना की जा रही है।

प्रधान आरक्षक पर दखलंदाजी व बराछ चौकी प्रभारी पर पक्षपात का आरोप

पुलिस के सामने गिरा दी बेवा की दीवार पुलिस ने नहीं लिखी शिकायत, पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार

पन्ना।

कोतवाली थाना पन्ना एवं बराछ चौकी अंतर्गत पुलिस कर्मियों के सामने एक बेवा के निर्माणाधीन मकान की दीवार गिराने रोकने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने एवं पुलिस के द्वारा शिकायती आवेदन नहीं लिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने परिवार सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। फरियादिया सुखमन सोनी बेवा रामसेवक सोनी निवासी ग्राम बराछ ने परिवार सहित पहुंचकर पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि अनावेदकगण मुकेश सोनी प्रधान आरक्षक के पद पर अमानगंज थाना में पदस्थ है। जिसके द्वारा 22 मार्च 2025 को अपने भाई जीतेन्द्र एवं दामाद इन्द्रजीत के साथ मिलकर मौके पर खड़े होकर फरियादिया के निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरा दी गई एवं रोकने पर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई।

फरियादिया जब बराछ चौकी पहुंची तो अनावेदक के पुलिस में होने के कारण चौकी प्रभारी सरोज गहलोत द्वारा उल्टा फरियादिया के साथ गाली-गलौज कर झूठे केश में बंद करने की धमकी दी जाने लगी एवं फरियादिया का आवेदन पत्र भी नहीं लिया गया। जिससे भयभीत होकर फरियादिया ने परिवार सहित पुलिस अधीक्षक से न्याय व सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस अधीक्षक के द्वारा पीड़ित परिवार को न्याय का आश्वासन एवं थाना प्रभारी को मामले की जांच करवा कर दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पेपर विज्ञापन समाचार एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

सुजीत चौरसिया
ब्यूरो चीप रीवा

पेपर विज्ञापन समाचार एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

श्रीधर सिंह जिला क्राइम रिपोर्टर सतना

राष्ट्रपति मुर्मु का छत्तीसगढ़ विधान सभा में आह्वान- नारी सशक्तीकरण और समरसता से बनेगा श्रेष्ठ छत्तीसगढ़

राष्ट्रपति मुर्मु का छत्तीसगढ़ विधान सभा में आह्वानः 'मनखे-मनखे एक समान' के सिद्धांत से बनेगा समरस छत्तीसगढ़ - श्रीमती द्रोपदी मुर्मु

रायपुर

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज छत्तीसगढ़ विधान सभा के रजत जयंती समारोह में भाग लेते हुए प्रदेशवासियों को 25 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा की बधाई दी और विधान सभा की उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के असाधारण मार्गदर्शन का परिणाम बताया और उनके प्रति सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक यात्रा, जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रेरणास्पद उदाहरण है। उन्होंने अपने विधायक काल की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि जन-प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना जनसेवा की भावना से प्रेरित व्यक्तियों के लिए एक सौभाग्य होता है। उन्होंने विधान सभा को संस्कृति की संवाहक और नीति निर्धारण की दिशा देने वाला केंद्र बताया।

छत्तीसगढ़ विधान सभाः अनुकरणीय संसदीय आचरण का प्रतीक

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा अपनाई गई अनुशासित और मर्यादित परंपराओं की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने %स्वयमेव निलंबन% जैसे नियमों की सराहना की और इस बात को ऐतिहासिक बताया कि 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में कभी भी

मार्शल का उपयोग नहीं करना पड़ा।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ को मातृशक्ति का साक्षात प्रतीक बताते हुए राज्य की सांस्कृतिक गरिमा को नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की महिला विभूति मिनी माता को याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया। साथ ही उन्होंने इस बात की सराहना की कि आज विधान सभा में 19 महिला विधायक हैं और राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है। राष्ट्रपति ने महिला विधायकों से आह्वान किया कि वे राज्य की अन्य महिलाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएँ। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की भावना को धरातल पर उतारने की अपील की।

समावेशी समाज की दिशा में छत्तीसगढ़ की नीतियाँ

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा पारित 565 विधेयकों को समावेशी विकास की दिशा में ऐतिहासिक बताया। विशेष रूप से महिलाओं को रूढ़ियों पर आधारित प्रताड़ना से मुक्त कराने वाले अधिनियम का उल्लेख करते हुए डॉ. रमन सिंह जी के कार्यकाल में इसे विधान सभा का महत्वपूर्ण योगदान बताया।

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध, संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाएं विद्यमान है।उन्होंने कहा कि राज्य में खनिज, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावना है। उन्होंने पर्यावरण-संरक्षण और विकास के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां के पारंपरिक लोक शिल्प की देश-विदेश में सराहना होती है। यह सुंदर राज्य हरे-भरे जंगलों, झरनों तथा अन्य प्राकृतिक वरदानों से समृद्ध है। छत्तीसगढ़ को महानदी, हसदेव, इंद्रावती और शिवनाथ जैसी नदियों का आशीर्वाद प्राप्त है। छत्तीसगढ़ को आधुनिक विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी सुनिश्चित करना है। राज्य के आप सब नीति-निर्माताओं पर विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की ज़िम्मेदारी है। इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों को आधुनिक विकास-यात्रा से जोड़ना भी सभी जनप्रतिनिधियों का उत्तरदायित्व है।

वामपंथी उग्रवाद से मुक्ति की ओर निर्णायक प्रगति

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोग विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ को उग्रवाद से पूर्णतया मुक्त करने के प्रयास में शीघ्र ही सफलता प्राप्त होगी और राज्य के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ेगा।

सामाजिक समरसता का मूलमंत्र : 'मनखे-मनखे एक समान'

गुरु घासीदास जी के संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' को उद्धृत करते हुए राष्ट्रपति ने सामाजिक समानता और समरसता के आदर्श छत्तीसगढ़ के निर्माण की बात कही। राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ विधान सभा को आदर्श लोकतांत्रिक संस्थान बताते हुए राज्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सभी जनप्रतिनिधियों से श्रेष्ठ छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया।

लोकतांत्रिक परंपराओं में छत्तीसगढ़ विधानसभा एक आदर्श उदाहरण - राज्यपाल

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रजत जयंती समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति को अद्वितीय और प्रेरणादायक बताते हुए राज्य की जनता की ओर से उनका हृदय से स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण उनके दूरदर्शी नेतृत्व और जन-आकांक्षाओं की गहरी समझ का परिणाम था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 को राज्य सरकार ने 'अटल निर्माण वर्ष' के रूप में घोषित किया है, जिसमें अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। राज्यपाल श्री डेका ने छत्तीसगढ़ विधान सभा की 25 वर्ष की यात्रा को गर्व और सम्मान की यात्रा बताया। राज्यपाल ने विधानसभा द्वारा अपनाए गए 'स्वयमेव निलंबन' नियम को अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के पालन का अद्भुत उदाहरण बताया। उन्होंने इसे पूरे देश की विधानसभाओं के लिए एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया, जिसे राष्ट्रभर में सराहा गया है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा जन आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने वाला मंच है। राज्यपाल ने विधानसभा की नीतियों और कार्यक्रमों की सराहना की, जिनसे राज्य को सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाया गया। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और विकास के निरंतर प्रयासों से बस्तर अंचल के आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ने में सफलता मिल रही है। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ को देश का प्रमुख स्टील और ऊर्जा उत्पादक राज्य बताते हुए उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। राज्यपाल ने जानकारी दी कि वर्तमान विधानसभा में 19 महिला विधायक हैं, जो कुल सदस्यों का 21.11 प्रतिशत हैं।

मनेन्द्रगढ़ शहर में अव्यवस्थित पार्किंग व ट्रैफिक का बढ़ता बोझ

आखिर किसकी जिम्मेदारी और कौन है इसका जिम्मेदार?

भूपेंद्र सिंह गंभीर/एमसीबी (फतवा)

शहर इस समय पार्किंग एवं ट्रैफिक की समस्याओं से झूझ रहा है इस अव्यवस्थित पार्किंग और ट्रैफिक से सड़क पर चलने वाले आमजनमानस तथा वाहनों को भारी समस्या से हर दिन झूझना पड़ रहा है इस समस्या से छुटकारा दिलाने के मनेन्द्रगढ़ राजस्व व पुलिस प्रशासन द्वारा कई प्रयास किये मगर इसका कोई स्थायी समाधान आज तक नही हो सका है, केवल सड़क के किनारे फल बेचने वाले, सब्जी बेचने वाले, कपड़ा बेचने वाले आदि छोटे-छोटे दुकान लगाने वाले लोगो को उनकी जगह से मात्र भागकर इस समस्या निदान दिलाने का प्रयास ही किया जाता रहा है पर परिणाम शून्य ही रहा। हम मानते है कि इनसे भी पार्किंग व ट्रैफिक समस्या उत्पन होती है, पर प्रशासन को केवल यही मात्र वजह ही दिखाई पड़ती जिसके कारण ये समस्या आ रही है या प्रशासन असली वजह जानकर भी राजनीतिक दबाववश

असल कारणों को हांथ नही लगा पा रहा है। मनेन्द्रगढ़ शहर मे अव्यवस्थित पार्किंग व ट्रैफिक को संभालने की जिम्मेदारी राजस्व व पुलिस प्रशासन की है? या जिम्मेदारी शहर की नगर पालिका भी है? असल में इस समस्या की मूल जड़ नगरपालिका परिषद खुद ही है सोचिए कैसे?

आईए जानते हैं अव्यवस्थित पार्किंग व ट्रैफिक का जिम्मेदार आखिरकार कौन है?

नगर के बीच बाजार में शॉपिंग कंपलेक्स या कमर्शियल बिल्डिंग निर्माण का जो कार्य हुआ है और जो हो रहे हैं उन कार्यों में नगर पालिका से भवन अनुज्ञा की अनिवार्यता है जिनके नियम और शर्तों में पार्किंग की सुविधा होना अनिवार्य है। लेकिन नगर में हुए भवन निर्माण व कांप्लेक्स निर्माण में इन नियम शर्तो का पालन नहीं किया जा रहा है बल्कि उक्त पार्किंग की जगह को किराए में देखकर या गोदाम दुकान के उपयोग में लाकर मोटी रकम की कमाई की जा रही है। शहर के बीचो-बीच कई शासकीय व गैर शासकीय बैंको का संचालन हो रहा है। और जिन स्थानो पर नियमानुसार बैंकों का संचालन होना है उन स्थानों पर भी पार्किंग की सुविधा होना अनिवार्य है।लेकिन संबंधित संचालक इन नियमों का पालन नही करते हैं और ना ही नगर पालिका ऐसे संवेदनशील मामलों पर ध्यान देती है। जबकि नियमानुसार शॉपिंग मॉल बनवाने से पहले नक्शा को नगरपालिका से पास करवाया जाता है जोकि करवाया भी जाता है पर वो भी कियुकि इन कॉम्प्लेक्स मालिको को इस नक्शे को पास कराए हुए बैंक भी लोन नही देता बस यही से दिक्कते पैदा होना शुरू हो जाती हैं और काम्प्लेक्स बनने के बाद इन कॉम्प्लेक्स मालिको के द्वारा नियमों को ताक पर रखते हुए पार्किंग की व्यवस्था पर दिए गए आदेश को दरकिनार करते हुए नियमो की धज्जियां उड़ा दी जाती है। अगर वास्तव में इन नियमो का परिपालन किया गया होता तो आज इस समस्या से मनेन्द्रगढ़ और शहरवासीयो झूझना नही पड़ता।

पूर्व में मनेंद्रगढ़ नगरपालिका के सब इंजीनियर प्रेम प्रकाश दुबे का कथन

अगर मार्केट के अंदर शॉपिंग मॉल या परिसर बनाने वाला व्यक्ति नक्शा पास करवाने के लिए नगर पालिका में आता है और नियमानुसार अपना कंपलेक्स बनवाने के लिए कहता है और जब ढांचा बनने लगता है तो पार्किंग के लिए बोलकर बनाते हैं इसके बाद पार्किंग में दुकान बनाकर दे दिया जाता है जिसमें प्रेम प्रकाश दुबे का कहना है कि ऐसे सॉपिंग मोल वालो के ऊपर नगर पालिका के द्वारा कार्यवाही की जाएंगी। अखबारों में खबर लगने व सब इंजीनियर के द्वारा पूर्व में अपने कथन में कार्यवाही करने की बात कही गई थी पर आज साल बीत गया पर नगरपालिका द्वारा इस पर अपना डिला रवैया अपनाया हुआ है। सूत्रों की माने तो इसमें राजनीतिक दबाओ एवं इन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मालिकों से नगरपालिका अधिकारियों की आपसी सांठ-गांठ की खबर आ रही है।

नशे में धुत सेल्स मैनेजर ने मचाया उत्पात, तीन ऑटो क्षतिग्रस्त, नगर पालिका का तोड़ा गेट

मनेन्द्रगढ़ कासिम खान

मनेन्द्रगढ़(फतवा)/शहर के प्रमुख भीड़-भाड़ टैक्सी स्टैंड पर बीती रात एक अप्रत्याशित घटना घटी, जब बजाज फाइनेंस कंपनी के सेल्स मैनेजर अमन सोनी ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए भारी तोड़फोड़ मचाई। इस घटना में तीन ऑटो क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं नगर पालिका की सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया

स्थानीय लोगों के अनुसार, देर रात अमन सोनी नशे की हालत में अपनी कार लेकर काफी तेज रफ्तार से टैक्सी स्टैंड की ओर आया। नियंत्रण खोने के कारण उसकी गाड़ी तीन खड़ी ऑटो से टकरा गई, जिससे ऑटो को काफी नुकसान पहुंचा। यही नहीं, बेकाबू गाड़ी ने नगर पालिका के गेट को भी तोड़ दिया, जिससे सरकारी संपत्ति को भी नुकसान हुआ।

स्थानीय लोग आक्रोशित

इस घटना से स्थानीय लोग आक्रोशित हैं और उन्होंने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। टैक्सी स्टैंड पर खड़े ऑटो चालकों को आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसके लिए वे मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

बजाज फाइनेंस कंपनी की प्रतिक्रिया का इंतजार

इस मामले पर बजाज फाइनेंस कंपनी की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन यदि आरोपी अमन सोनी कंपनी का कर्मचारी साबित होता है, तो कंपनी द्वारा भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपी के मेडिकल परीक्षण के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान का हुआ आयोजन

सक्ती

कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती श्री वासु जैन के मार्गदर्शन में जिले के चारों विकासखण्ड मालखरौदा, सक्ती, डभरा और जैजैपुर के 302 परीक्षा केन्द्रों में विगत दिवस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान (उल्लास), बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। इस महापरीक्षा में जिले से पंजीकृत कुल 10335 परीक्षार्थी में से परीक्षा अर्हता पूर्ण करने वाले 8752 में से 7350 नव शिक्षार्थी शामिल हुए। इस महापरीक्षा अभियान में वे नव शिक्षार्थी शामिल हुए जिन्होंने 200 घंटे एवं प्रवेशिका पुस्तिका का सात अध्याय पठन-पाठन पूर्ण किये है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के तहत् विकास लक्ष्य के अनुसार 2030 तक सभी युवा, प्रौढ़, पुरूष, एवं महिलाओं को शत्प्रतिशत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान प्रदान कराना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री तोपनो के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एन.के चन्द्रा ने विकासखण्ड डभरा के परीक्षा केन्द्र जनपद प्राथमिक शाला देवरघटा।

30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिलासपुर आगमन को लेकर सक्ती नगर मंडल की कामकाजी बैठक संपन्न

बिलासपुर

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सक्ती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 30 मार्च को बिलासपुर आगमन को लेकर तैयारी के संबंध में बैठक की गई जिसमें भाजपा नगर मंडल सक्ती अंतर्गत निवासरत भाजपा पदाधिकारी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक मंडल अध्यक्ष अनूप अग्रवाल की अध्यक्षता एवं मंचस्थ अतिथियों सहित जिला पदाधिकारी एवं नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ सर्वप्रथम भारत माता एवं दीनदयाल उपाध्याय,श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के तैल चित्र पर दीप जलाकर फूल माला अर्पित कर पूजा अर्चना कर बैठक की शुरुआत की गई उक्त बैठक में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता प्रदीप गुप्ता के स्वर्गीय पुत्र को सभीजनों ने 2 मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की अपने संबोधन में मंडल अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने उपस्थित सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को नए दायित्व की बधाई दी उन्होंने उपस्थित सभी जिला मंडल पदाधिकारी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन में बताया कि आगामी 30 मार्च को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बिलासपुर आ रहे है जिसमें भाजपा के समस्त सम्माननीय पदाधिकारी कार्यकर्ता सभी को बिलासपुर मोदी जी के कार्यक्रम में जाना है साथ ही सभी बूथों से ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता जा सके ऐसी व्यवस्था बनानी है ।

सरगुजा क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन,समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए
धर्मेंद्र वस्त्रकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

सरगुजा क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन,समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए
भूपेंद्र सिंह गंभीर
संभागीय ब्यूरो चीफ सरगुजा

न्यूज ब्रीफ

परिवहन विभाग में अधिकारियों के ट्रांसफर

भोपाल। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के क्षेत्रीय/ अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन अधिकारियों के ट्रांसफर आदेश जारी किए गए है। इसमें 9 अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। परिवहन विभाग की तरफ से जारी आदेश के अनुसार नरसिंहपुर के जिला परिवहन अधिकारी जितेंद्र कुमार शर्मा को प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल बनाया गया है। वहीं, प्रभारी अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छतरपुर विक्रमजीत सिंह कंग को प्रभारी क्षेत्रीय अधिकारी ग्वालियर, प्रभारी अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छिंदवाड़ा मनोज कुमार को प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सागर, सागर के प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सुनील कुमार शुक्ला को जिला परिवहन अधिकारी पन्ना, प्रभारी अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कटनी विमलेश कुमार गुप्ता को जिला परिवहन अधिकारी मण्डला, सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संभागीय उप परिवहन आयुक्त कार्यालय ग्वालियर मधु सिंह को प्रभारी अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी छतरपुर, जिला परिवहन अधिकारी दतिया स्वाति पाठक को सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय ग्वालियर, प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम निशा चौहान को जिला परिवहन अधिकारी देवास और जिला परिवहन अधिकारी देवास जया बसावा को प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम बनाया गया है।

एक बार फिर टली नर्सिंग परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश में नर्सिंग छात्रों का भविष्य खतरे में है। आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने बीएससी, एमएससी और पीबीबीएससी नर्सिंग परीक्षाओं की तारीखें मार्च से आगे बढ़ा दी है। जिसके बाद अप्रैल-मई महीने में परीक्षाएं होंगी। बता दें कि 2020-21 और 2021-22 के बैच की परीक्षा पहले ही 4 साल देरी से हो रही हैं। 2019-20 बैच के बीएससी नर्सिंग चौथे वर्ष के छात्रों के तो अब एग्जाम ही नहीं हुए हैं। परीक्षा में देरी होने से छात्रों की नौकरी और इंटर्नशिप पर खतरा मंडराने लगा है। स्टूडेंट्स के अनुसार इन परीक्षाओं की तारीखें 4 बार बदली जा चुकी हैं। जिससे उनकी डिग्री अटक गई है।

महिला की सड़क हादसे में मौत

भोपाल। बैरसिया थाना इलाके में स्थित मेघरा कलां जोड़ पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात अज्ञात वाहन ने महिला को टक्कर मार दी। लोगो ने उसे इलाज के लिए निजी वाहन से बैरसिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था। वहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद महिला की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार मेघरा कलां जोड़ पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे राहगीरों ने एक महिला को घायल अवस्था में देखा था। महिला के हाथ पैर और सिर में गंभीर चोट थी। उसे राहगीरों ने निजी वाहन ने बैरसिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा दिया। वहां करीब एक घंटे बाद डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है, कि महिला के पास से कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। महिला इलाके में लंबे समय से घूमते फिरते देखी गई थी। यह भी बताया जाता है कि उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। अनुमान है कि करीला मेला में कस्बे में भीड़ भाड़ थी। इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने उसे सड़क पार करते समय टक्कर मार दी। मामला दर्ज का पुलिस फिलहाल महिला की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है।

मंगेतर ने नहीं दिए 6 लाख तो तोड़ दी शादी

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र में दहेज के लिए छह लाख रुपए की मांग कर रहे युवक ने युवती से शादी तोड़ दी। दोनों की एक महीने पहले ही सगाई हुई थी और अगले महीने अप्रैल में शादी होनी थी। इससे पहले युवक ने जिम में काम करवाने का कहकर युवती से छह लाख रुपए की नकदी की मांग की। युवती ने रुपए नहीं होने की बात कही तो युवक ने शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विवेकानंद कॉलोनी, निवासी अफसाना अंसारी (30) की सगाई फरवरी महीने में सैज उल्ला खान से हुई थी। सैज उल्ला जिम का संचालन करता है। सगाई के बाद दोनों की अप्रैल में शादी होनी थी। शादी से पहले सैज ने अफसाना को बताया कि उसे जिम का काम कराना है और इसके लिए छह लाख रुपए लगेंगे।

अनूपपुर जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जाएगा जल गंगा संवर्धन अभियान-कलेक्टर

अभियान के पूर्व जिले के जल संरचनाओं को जीर्णोद्धार हेतु किया जाए चिन्हित-कलेक्टर

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु 30 मार्च से 30 जून 2025 तक ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' चलाया जाएगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरचनाओं के उन्नयन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएंगे। सभी संबंधित विभाग के अधिकारी अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सहभागिता निभाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जन भागीदारी से जल संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में जल गंगा संवर्धन अभियान के पूर्व तैयारियों एवं कार्य योजना संबंधी बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री के.के. सोनी सहित संबंधित विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार तथा मरम्मत, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने तथा जल वितरण की संरचनाओं की साफ सफाई सहित अन्य विभिन्न कार्य किए जाएंगे। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे जल स्त्रोत एवं संरचना जिन्हें जीर्णोद्धार करने की आवश्यकता है, ऐसी संरचनाओं को 29 मार्च के पूर्व ही चिन्हित कर लिया जाए तथा इसकी जानकारी कलेक्टर कार्यालय में प्रेषित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नदी अथवा जल स्त्रोतों के समीप कार्यक्रम का आयोजन कर जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। अभियान के व्यापक स्तर पर शुरुआत करने हेतु प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्रत्येक ग्राम पंचायत में जन समुदाय की उपस्थिति में जल संरक्षण व संवर्धन अभियान प्रारंभ होगा। बैठक में कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत पौधरोपण के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि अधिकारी पौधरोपण हेतु स्थान चिन्हित कर ले तथा जल संरचनाओं के आसपास भी वृहद रूप से पौधरोपण किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने अभियान की मॉनिटरिंग हेतु गूगल ड्राइव बनाकर प्रतिदिन अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों की जानकारी अपडेट करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, उद्यानिकी विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, पर्यावरण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, संस्कृति विभाग तथा जनसंपर्क विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के द्वारा अभियान के अंतर्गत सौंपे गए दायित्व का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस वसूलने पर बनेंगे नियम

भोपाल

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस वसूली पर लगाम कसने चार माह पहले मंजूर विधेयक पर स्कूल शिक्षा विभाग ने नियम तैयार करने की शुरुआत कर दी है। इसके लिए विभाग द्वारा प्रस्ताव का प्रारूप तैयार कर एक माह में दावे-आपत्ति बुलाए गए हैं। इसके बाद नए शिक्षा सत्र से इस व्यवस्था को लागू करने के लिए नियम जारी किए जाएंगे। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि प्रदेश में 25 हजार रुपए से अधिक फीस वसूलने वाले प्राइवेट स्कूलों को फीस वृद्धि के पहले जिला समिति से परमिशन लेनी होगी। जिला समिति के फैसले पर आपत्ति होने पर राज्य समिति से अपील की जा सकेगी। जिन स्कूलों 25 हजार से कम फीस वसूली जा रही है, वहां भी फीस में दस फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी नहीं की जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसे लेकर 11 मार्च को जारी नोटिफिकेशन में प्रस्ताव किया है। इसके अनुसार अधिक फीस वसूली को लेकर मध्यप्रदेश प्राइवेट स्कूल फीस तथा संबंधित विषयों का विनिमयन नियम 2020 में संशोधन के लिए राज्य सरकार ने प्रस्ताव तैयार किया है। इसके लिए एक माह की अवधि में दावे-आपत्ति मांगे गए हैं। इसके बाद नियम जारी किए जाएंगे।

अपलोड करना होगा एफिडेविट

जो स्कूल 25 हजार रुपए वार्षिक फीस के दायरे से बाहर हैं उन्हें एक नोटरी एफिडेविट देना होगा। इसे पोर्टल पर भी अपलोड करना होगा। इसके लिए विभागीय समिति और राज्य समिति के माध्यम से प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राज्य समिति को यह अधिकार दिए गए हैं कि वह विभागीय समिति के द्वारा लगाई गई पेनल्टी को घटा या बढ़ा सकेगी।

45 दिन में करना होगा निराकरण

प्रस्ताव में कहा गया है कि विभागीय समिति अपील आवेदन मिलने के 45 दिन के भीतर निर्णय करेगी। किसी प्राइवेट स्कूल द्वारा 15 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने संबंधी निर्णय के अलावा शेष सभी मामलों में विभागीय समिति का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा। प्रस्ताव में कहा गया है कि राज्य समिति को यह अधिकार होगा कि 45 कार्यदिवस के भीतर इस मामले में फैसला करे।

यह कहता है 2024 में बना कानून

प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूलने को लेकर दिसम्बर 2024 में कानून बनाया गया है।

इसमें कहा गया है कि 25 हजार रुपए सालाना फीस वसूलने वाले स्कूल दस प्रतिशत तक फीस बढ़ा सकेंगे।

खाद्य पदार्थो से संबंधित संचालित प्रतिष्ठानों की नियमित जांच के कलेक्टर ने दिए निर्देश

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

अमरिया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में संपन्नु हुई । कलेक्टर ने खाद्य पदार्थो से संबंधित संचालित प्रतिष्ठानों की नियमित जांच करने, अमानक या एक्स्पायरी खाद्य पदार्थो का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों के विरूध्द न्यायालयीन कार्यवाही करने, बिना पंजीयन अथवा अनुज्ञप्ति प्राप्त किए प्रतिष्ठान संचालित करने वाले लोगों पर कार्यवाही करनें के निर्देश जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को दिए। उन्होने कहा कि अमानक खाद्य पदार्थ मिथ्याछाप खाद्य तथा असुरक्षित खाद्य पदार्थ का विक्रय करने वाले लोगों पर शासन व्दारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्यवाही की जानी चाहिये। आपनें खाद्य सुरक्षा से संबंधित जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करनें तथा समस्त स्व सहायता समूहों , आंगनबाडी एवं सेंटलाइज किचन का खाद्य विभाग से पंजीयन अनिवार्य रूप से प्राप्त करनें के निर्देश दिए । विभिन्न शासकीय योजनाओं में फोर्टीफाईड भोज्य पदार्थ का उपयोग करनें की सलाह दी। बैठक में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया, सीएमएचओ डा एस बी चौधरी, उद्योग विभाग से अमन व्दिवेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मनमोहन सिंह कुशराम, जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से विनोद मिश्रा , अशासकीय सदस्यं अभिषेक अग्रवाल एवं श्याकम गुप्ता , बुध्दराम रहंगडाले, राघवेन्द्र तिवारी उपस्थित रहे ।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा ने बताया कि 1 जनवरी 2024 से मार्च 2025 तक जिले में नमूना संग्रहण के 70 के लक्ष्य के विरूध्द 121 , सर्विलांस नमूना के 280 के विरूध्द 289 , निरीक्षण 120 के विरूध्द 181 तथा चलित खाद्य प्रयोगशाला व्दारा 89 नमूने संग्रहित किए गए । जिनमें से 86 मानक पाए गए तथा 3 नमूने अमानक पाए गए । 35 नमूने जांच हेतु लंबित है । अपर कलेक्टर न्यायालय में दर्ज किए गए प्रकरणों में से 3 का निराकरण कर 12 हजार रूपये की अर्थदंड वसूली की गई है तथा 3 प्रकरण अनिर्णयित है । जिले में 265 अनुज्ञप्तियां तथा 664 पंजीयन जारी किए गए है जिनसे 13 लाख 90 हजार 600 रूपये की राजस्व प्राप्त हुई है । उन्होने बताया कि असुरक्षित खाद्य एवं बिना लाइसेंस के व्यापपार संबंधी प्रकरणों को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है जिनमे आजीवन कारावास का प्रावधान है । अशासकीय सदस्यों अभिषेक अग्रवाल तथा श्याम गुप्ता ने नियमित रूप से खाद्य सामग्री का विक्रय करने वाले संस्थानों की नियमित जांच करनें , अपमिश्रित दूध , सेंथेटिक दूध एवं मावा की जांच करनें का सुझाव दिया । उन्होने कहा कि निरंतर कार्यवाही से जनता में विश्वास बढेगा तथा लोगों को शुध्द खाद्य सामग्री प्राप्त हो सकेगी।

विद्यार्थियों के शिक्षा प्रोत्साहन के लिए महत्वपूर्ण है ओलंपियाड प्रतियोगिता -कलेक्टर

अनूपपुर

राज्य शासन द्वारा आयोजित ओलंपियाड प्रतियोगिता बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने का अच्छा प्रयास है बच्चे देश का भविष्य है उनके शिक्षा की नींव जितनी मजबूत होगी उतना ही बच्चों का भविष्य सशक्त होगा और देश मजबूत होगा उक्ताशय के विचार कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जिला पंचायत सभागार में जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता सत्र 2024- 25 के विद्यार्थियों के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन?मय वशिष्ठ शर्मा, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री सरिता नायक, जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक श्री आशुतोष कुशवाहा, सहायक परियोजना समन्वयक बीआरसी जैतहरी श्री विष्णु मिश्रा सहित विद्यार्थी, अभिभावक व शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा कि नौनिहालों के भविष्य को संवारने में अभिभावक और शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है आदर्शवान व संस्कारवान बच्चों के विकास में उनका संपूर्ण योगदान आवश्यक है कलेक्टर ने जिला स्तरीय व राज्य स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में विषय आधारित बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिले के विद्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में कहीं कोई परेशानी नहीं होगी अगर कोई दिक्कत होती है तो वह जिला प्रशासन से मदद ले सकते हैं। ओलंपियाड 2024- 2025 के जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के छात्र-छात्राओं, विषय शिक्षकों को कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा एवं जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक श्री आशुतोष कुशवाहा ने प्रमाण- पत्र, प्रतीक चिन्ह तथा आवश्यक सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में कक्षा दो के सानू सिंह इसी तरह आकाश यादव, आयांशी माझी, उषा नापित, अनीश यादव, काम्या, सरस्वती सिंह, रचित, रिया, अंशिका, लक्ष्मी सिंह, कीर्ति, अर्चिता मिश्रा।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल

अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह ने शहडोल जिले के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में राजस्व से संबंधित, पीएम किसान, पीएम आवास, सीएम किसान, आर्थिक सहायता, खाद्य, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, जनजातीय विभाग सहित शासन द्वारा संचालित अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों के आवेदन प्राप्त हुए जिनका निराकरण हेतु अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिया एक्का सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांचवीं और आठवीं की कॉपी जांचने का काम 80 प्रतिशत पूरा

इस साल 25 लाख विद्यार्थी हुए हैं परीक्षा में शामिल

भोपाल

प्रदेश के पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में घोषित होने की संभावना है। प्रदेश भर के सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 25 लाख विद्यार्थी परिणाम के इंतजार में है। यह परिणाम 30 मार्च को आना था, लेकिन अब तक 80 प्रतिशत उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य पूरा हुआ है। मूल्यांकन कार्य 24 मार्च तक समाप्त करना था। अब तीन दिन शेष है। ऐसे में मूल्यांकन कार्य पूरा होना संभव नहीं है। वहीं शिक्षक मूल्यांकन केंद्र नहीं पहुंच रहे हैं। इस कारण उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने का काम नहीं पूरा हो पा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र ने जो समय-सारिणी तय किया था। उसके हिसाब से मार्च के अंत तक पांचवीं व आठवीं का परिणाम आना था, लेकिन अब तक 20 फीसद उत्तरपुस्तिकाओं को जांचना बाकी है। निजी स्कूलों के अंग्रेजी माध्यम के चार लाख विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने के लिए सरकारी स्कूल में शिक्षक नहीं मिल रहे हैं। इस कारण निजी स्कूलों के शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में लगाया गया है। राजधानी के चार मूल्यांकन केंद्रों पर 834 शिक्षकों को साढ़े तीन लाख उत्तरपुस्तिकाओं को जांचने के लिए लगाया गया है। इसमें पांचवीं की एक लाख 26 हजार और आठवीं की दो लाख पांच हजार उत्तरपुस्तिकाएं हैं। जिनके मूल्यांकन का कार्य चल रहा है।

नेटवर्क की समस्या के कारण देरी

शिक्षकों का कहना है कि मूल्यांकन के बाद अंकों को ऑनलाइन प्रविष्टि करने के कारण रिजल्ट तैयार करने में देरी होगी। शिक्षकों को एक-एक बच्चे का अंक ऑनलाइन भरना पड़ रहा है। नेटवर्क की समस्या के कारण टैबलेट से अंकों को ऑनलाइन भरने में परेशानी हो रही है।

एमपी नगर में पकड़ाया 15 किलो गांजाः उड़ीसा से लाकर भोपाल में बेचने की फिराक में थे 4 तस्कर

भोपाल

भोपाल क्राइम ब्रांच टीम ने उड़ीसा से भोपाल गांजा तस्करी करने वाले 4 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 किलो 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। जिसकी कीमत 4 लाख रुपए बताई जा रही है। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि एमपी नगर जोन-1 स्थित यश बैंक के सामने 4 लोग थैलों में गांजा रखकर ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पाकर क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी अशोक मरावी और उनकी टीम मौके पर पहुंची। यहां घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच को एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एमपी नगर जोन-1 में स्थित यश बैंक के सामने एक पेड़ के पास 4 संदिग्ध लोग बैठे हैं। ये चारों लोग अपने पास थैले लिए हुए हैं, जिनमें गांजा भरा हुआ है। वे किसी ग्राहक को बेचने के लिए इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715